पटना ●सोमवार, 16 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः331 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

सीएम नीतीश के नेतृत्व में पिछले ... 3 www. bordernewsmirror.com वरुण धवन की भेड़िया के... 7

अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली, आतिशी कालकाजी से लड़ेंगी चुनाव

● सभी 70 सीटों पर एएपी कैंडीडेट घोषित, 26 विधायकों के टिकट काटे, 4 की सीट बदली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी की चौथी और आखिरी लिस्ट आ गई है। इसमें 38 नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली से चुनाव लड़ेंगे। सीएम आतिशी को कालकाजी से उम्मीदवार बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश, सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। एएपी ने 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच यानी

25 दिनों में कुल 4 लिस्ट में 70 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस बार 26 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं। 4 विधायकों की सीट बदली गई है। इनमें मनीष सिसोदिया की सीट पटपड़गंज से जंगपुरा, राखी बिडलान की मंगोलपुरी से मादीपुर, प्रवीण कुमार की जंगपुरा से जनकपुरी और दुर्गेश पाठक की करावल नगर से राजेंद्रनगर सीट बदली गई है। 2020 में राघव चड्ढा राजेंद्रनगर से विधायक बने थे। 2022 में उनके राज्यसभा जाने के बाद से यह सीट खाली है।

जियाउर्रहमान के बाद अब इकबाल के इलाके में गरजा बुलडोजर

● संभल में यूपी सरकार के ऐक्शन से मचा हड़कंप, राजनीति भी शुरू

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को भड़की हिंसा के बाद लगातार ऐक्शन जारी है। संभल हिंसा के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। तीन दर्जन से अधिक आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। वहीं, अब संभल के विभिन्न इलाकों में बुलडोजर गरज रहा है। दरअसल, संभल प्रशासन की ओर

से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अवैध निर्माणों को ढहाने की कार्रवाई हो रही है। प्रशासन और पुलिस की टीम लगातार एक्शन मोड में दिख रही है। संभल में पिछले दिनों सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क के इलाके में बुलडोजर ऐक्शन हुआ। इस दौरान एक जगह से मंदिर मिलने की खबर सामने आई। वहीं, अब रविवार को समाजवादी पार्टी विधायक इकबाल महमूद के इलाके में बुलडोजर गरजा है। प्रशासन की टीम बुलडोजर के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत इलाके में पहुंची। संभल में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर प्रशासन की ओर से कहा गया है कि यह कानून सम्मत कार्रवाई है।

भारत में ही बैठे-बैठे लोगों को गायब करवा रहीं शेख हसीना

● यूनुस सरकार के जांच आयोग ने लगाए आरोप, 3500 मामले आए सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार द्वार गठित जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर बड़ा खुलासा किया है। जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संलिप्तता का पता चला है। लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के

लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3500 से ज्यादा है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के मुख्य सलाहकार के कार्यालय की प्रेस शाका ने शनिवार रात एक बयान में कहा कि आयोग को इस बात के साथ मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र के पूर्व महानिदेशक और बर्खास्त मेजर जनरल जियाउल अहसन, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोनिरुल इस्लाम एवं मोहम्मद हारुन ओर रशीद और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इन घटनाओं में शामिल पाए गए।

अगले 'परिसीमन' पर टकराव के बन रहे आसार

● दक्षिण के राज्य सबसे ज्यादा नाराज, होगा नुकसान ● बीजेपी की सहयोगी टीडीपी ने भी खड़े किए सवाल

अमरावती (एजेंसी)। बीजेपी के सहयोगी दल टीडीपी सांसद लवू श्रीकृष्ण देवरायल ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा कि अलगे परिसीमन से दक्षिण के राज्यों को नुकसान होने वाला है। उन्होंने कहा कि परिसीमन का लाभ उत्तर भारत को मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया होती है तो यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे प्रदेशों में लोकसभा सीटों की संख्या 169 से बढ़कर 324 हो जाएगी। वहीं आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में केवल 129 से 164 सीटें हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि एक संघ के हित के लिए यह सही नहीं है। जिन राज्यों में जनसंख्या कम हुई है उन्हें भी परिसीमन का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में पास हुए विधेयकों की मंजूरी की भी सीमा नहीं तय करनी चाहिए। दरअसल अगलो लोकसभा चुनाव 2029

में होना है और इसे बढ़ी हुई सीटों के साथ कराने का प्लान तैयार किया जा रहा है। परिसीमन कानून के मुताबिक 2026 तक लोकसभा की सीटें नहीं बढ़ाई जा सकतीं। इसके बाद जनगणना के आधार पर परिसीमन करवाया जा सकता है। संभवना है कि 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे पहले 2008 में लोकसभा सीटों का परिसीमन किया गया था। पहले माना जा रहा था कि 2031 में जनगणना के बाद ही परिसीमन होगा। हालांकि अगर 2021 वाली जनगणना 2027 में कराई जाती है तो इसके बाद परिसीमन किया जा सकेगा। माना जा रहा है कि 2029 में लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर साढ़े सात सौ के करीब हो जाएंगी।

2034 तक नहीं हो पाएंगे एक साथ चुनाव!

● 'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल के बाद भी हैं कई पड़ाव बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करवाने की ओर मोदी सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है। कैबिनेट से मंजूरी के बाद विधेयक को संसद के शीत सत्र के दौरान ही लोकसभा में पेश कर दिया जाएगा। बता दें कि एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई थी। 14 मार्च को समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। एकसाथ चुनाव कराने के लिए प्रस्तावित विधेयक में संकेत यही मिलता है कि यह प्रक्रिया 2034 से लागू की जाएगी। विधेयक की कॉपी की बात करें तो अगर किसी लोकसभा या विधानसभा में समय से पहले चुनाव करना है तो संसद या फिर विधानसभा को भंग करना पड़ेगा। विधेयक में आर्टिकल 82 (ए) को शामिल करने का प्रस्ताव है जिसके तहत सभी विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव साथ में कराए जाएंगे। इसके अलावा आर्टिकल 83 में भी संशोधन करना पड़ेगा। इसमें संसद के सदनों के कार्यकाल की बात कही गई है। इसके अलावा आर्टिकल 172 और 327 में भी संशोधन करना होगा। इन आर्टिकल में विधानसभा के चुनाव के बारे में संसद को नियम बनाने

का अधिकार दिया गया है। गुरुवार को केंद्रीय कैबिनेट में 129वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी थी। जानकारी के मुताबिक आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक के दौरान राष्ट्रपति ही एक राष्ट्र एक चुनाव के समय का ऐलान करेंगे। इसका मतलब यह तारीख 2929 के लोकसभा चुनाव के बाद निर्धारित की जाएगी। ऐसे में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ 2034 से पहले नहीं शुरू हो पाएंगे। सरकार लोकसभा में वित्तीय अनुदान संबंधी कामकाज पूरा करने के बाद 'एक राष्ट्र एक चुनाव' से संबंधित विधेयकों को पेश करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, दो विधेयक - संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक - सोमवार को लोकसभा में पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध थे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सोमवार के लिए सूचीबद्ध अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच को सदन द्वारा पारित किए जाने के बाद ये विधेयक इस सप्ताह बाद में पेश किए जा सकते हैं। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी संशोधित कार्यसूची में सोमवार के एजेंडे में ये दोनों विधेयक शामिल नहीं हैं।

भारत को जल्द मिलने वाली है नक्सलवाद से मुक्ति:शाह

केन्द्रीय गृहमंत्री का बड़ा ऐलान, तारीख भी बताई

रायपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को इस बात को फिर से दोहराया कि 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। एक निजी कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद ने देश के कई हिस्सों में विकास को सालों तक अवरुद्ध किया है। गृह मंत्री ने सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य अब इस प्रभाव से मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में केवल दो जिले ही नक्सल प्रभावित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की हालिया चुनावी जीत नक्सल विरोधी प्रयासों को और मजबूत करेगी। अमित शाह छत्तीसगढ़ के एक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक कैम्प का दौरा करने वाले हैं जहां वह रात बिताएंगे। जब उनसे इस दौरे की महत्वता के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,यह पहली बार नहीं

है जब मैं ऐसे कैम्पों का दौरा कर रहा हूं। अब भाजपा के सरकार बनाने के बाद हमारे समन्वय में सुधार हुआ है। उन्होंने नक्सलवाद के खिलाफ प्रगति का श्रेय इन प्रयासों को दिया और कहा एक साल के भीतर 900 से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए हैं। 600 से ज्यादा ने आत्मसमर्पण किया है। 300 से ज्यादा मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

महाराष्ट्र में देवेन्द्र फड़णवीस मंत्रिमंडल का विस्तार

● भाजपा से पकंजा मुंडे, बावनकुले और नितेश राणे बन गए मंत्री

सीएम समेत 42 मंत्री, इनमें 1 मुस्लिम, 4 महिलाएं, 1 सीट खाली

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का पहला विस्तार रविवार को नागपुर में हुआ। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले समेत 33 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें भाजपा के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा और उनके चचेरे भाई धनंजय शामिल रहे। एनसीपी की ओर से हसन मुश्रिफ एकमात्र मुस्लिम फेस हैं, जबकि 4 महिलाएं मंत्री बनाई गईं। इनके अलावा 6 राज्यमंत्रियों ने भी शपथ ली। 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में 15 फीसदी यानी 43 सदस्य ही मंत्री बन सकते हैं।

सीएम फडणवीस और डिप्टी सीएम शिंदे-पवार समेत अब 42 मंत्री हो चुके हैं। महाराष्ट्र में 33 साल बाद कैबिनेट विस्तार और शपथ ग्रहण राज्य की उप-राजधानी में हुआ है। इससे पहले 21 दिसंबर 1991 को कांग्रेस के सीएम सुधाकरराव नाइक के मंत्रिमंडल

का विस्तार नागपुर में हुआ था। कार्यक्रम में 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली।

इससे पहले नाराज शिवसेना विधायक नरेंद्र भेंडिंकर ने विधानसभा उपनेता पद से इस्तीफा दिया। शपथ लेने वालों में चंद्रशेखर बावनकुले, नितेश राणे और पंकजा मुंडे समेत भाजपा के दिग्गज नेताओं ने शपथ ली। शिवसेना की तरफ से गुलाबराव पाटिल, भारत गोगवले, संजय शिरसाट ने शपथ ली। एनसीपी की तरफ से धनंजय मुंडे और हसन मुश्रिफ समेत कई दिग्गजों को मंत्री बनाया गया है। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार से पहले नाराजगी की खबरें भी सामने आईं। शिवसेना नेता नरेंद्र भेंडिकर ने मंत्री पद न मिलने से विधानसभा उपनेता पद से इस्तीफा दे दिया। एनसीपी के अजित पवार ने शपथग्रहण से ठीक पहले कहा है कि आज शपथ लेने वाले मंत्रियों का कार्यकाल ढाई साल का होगा। महायुति के सभी विधायकों पर ये नियम लागू होगा। इसके बाद नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। अब जानकारी के लिए बता दें कि शिवसेना को शहरी विकास, आवास, उद्योग, स्वास्थ्य, परिवहन, पर्यटन, आईटी, मराठी भाषा और एमएसआरडीसी विभाग मिल सकता है।

वहीं एनसीपी को वित्त, सहकारिता और खेल विभाग मिलने का अनुमान है। बीजेपी गृह, राजस्व, बिजली, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा और सिंचाई मंत्रालय अपने खाते में रखेगी। वैसे आदित्य ठाकरे ने तो फडणवीस से अपील की थी, कुछ चेहरों को अपने मंत्रिमंडल से दूर रखें।

रिकार्ड तोड़ रही है ठंड डरा रहीं बर्फीली हवाएं

यूपी-एमपी और राजस्थान के बुरे हाल, बर्तनों में जम रहा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों में बर्फबारी की वजह से उत्तर भारत में शीतलहर अपने तेवर दिखा रही है। बड़े इलाके में अभी कोहरे की मार ना पड़ने के बावजूद ठंड में कोई कमी नहीं है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों मे न्यूनतम तापमान 3 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान भी शनिवार को 4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि

● दिल्ली-पंजाब में और गिरेगा पारा, दक्षिणी राज्यों बारिश का अलर्ट

अभी शीतलहर का प्रकोप बना रहेगा। वहीं पहाड़ों में बर्फबारी में इजाफा होगा जिससे पारा और लुढ़क सकता है। इसके अलावा दक्षिण के राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में रविवार को भी शीतलहर जारी रहेगी। फरीदकोट में न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को पंजाब में फरीदकोट सबसे ठंडा स्थान रहा। आंकड़ों के अनुसार, पंजाब के पठानकोट में न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि गुरदासपुर में 2.8 डिग्री और बठिंडा में 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसके मुताबिक, अमृतसर में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस, लुधियाना में 7.8 डिग्री सेल्सियस और पटियाला में 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कॉमेडियन सुनील पाल को किडनैप करने वाले का एनकाउंटर

● मेरठ में दरोगा की पिस्टल छीनकर गाड़ी से कूदा

मेरठ (एजेंसी)। कॉमेडियन सुनील पाल और एक्टर मुश्ताक खान किडनैप मामले में गिरफ्तार अर्जुन कर्णवाल ने रविवार को पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। मेडिकल चेकअप के लिए ले जाते समय वह दरोगा की पिस्टल छीनकर गाड़ी से कूद गया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी। अर्जुन को पुलिस ने शनिवार रात पकड़ा था। उसके पास से किडनैप में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो कार, 2 लाख रुपए और फिरौती में इस्तेमाल किया गया मोबाइल मिला था।

अनशन तोड़ने को तैयार नहीं हैं किसान नेता डल्लेवाल

हालत हुई गंभीर, केन्द्रीय अफसर मिलने पहुंचे, सरकार भी ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने शनिवार को दिल्ली कूच करने की कोशिश की। प्रशासन की सख्ती की वजह से किसान आगे नहीं बढ़ पाए। पुलिस ने किसानों पर आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।। किसानों का कहना है कि अब वे 16 दिसंबर को ट्रैक्टर मार्च करेंगे। वहीं खनौरी बॉर्डर पर किसान

● गृह मंत्रालय ने ली मांगों की लिस्ट, अब बड़ी घोषणा का इंतजार

नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 20वें दिन भी आमरण अनशन कर रहे हैं। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा, हम यही आश्वासन देने की कोशिश कर रहे हैं कि किसानों की सरकार से बातचीत का रास्ता खुलेगा और उनकी मांगें भी पूरी होंगी। उन्होंने कहा, हमने जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसान नेताओं से अपील की। इसके अलावा उनकी चिकित्सा सुविधा का इंतजाम किया गया। यादव ने कहा, हम उनके साथ मिलकर इस मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। डल्लेवाल ने हमसे कहा कि हमारी मांगों को सरकार के सामने रखा जाए। वहीं गृह मंत्रालय में डायरेक्टर मयंक मिश्रा ने किसानों से मुलाकात के बाद कहा, हमने किसानों की मांगों की सूची ले ली है और हमें सुप्रीम

कोर्ट के निर्देशों का भी पालन करना है। पंजाब के डीजीपी ने कहा, हमने किसान नेता डल्लेवाल की स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। हमने उन्हें सीएम भगवंत मान का संदेश दिया है कि मुख्यमंत्री उनको लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन कीमती है। डल्लेवाल 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

खनन माफिया की सूचना देने पर 10000 का पुरस्कार

पटना, एजेंसी। यदि कोई व्यक्ति खनन माफिया की सूचना देकर ट्रक की जब्ती कराता है तो उसे 10000 का तथा ट्रैक्टर की जब्ती कराने पर 5000 रुपए का बिहार योद्धा का पुरस्कार दिया जाएगा। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार की देर शाम सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान यह बात कही। उपमुख्यमंत्री ने सड़क एवं खनन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इसके उपरांत प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में इंस्पेक्टर राज नहीं चलने दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति अपनी ही जमीन से मिट्टी खोदकर खुद उपयोग करता है तो उसमें कोई टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन यदि वह व्यावसायिक उपयोग करता है तो टैक्स देना पड़ेगा। यदि कोई अधिकारी उन्हें तंग करता है तो वे 9472238821 नंबर पर फोन कर सूचना दे सकते हैं। उन्होंने खनन को लेकर सूचना देने के लिए मोबाइल नंबर 9473191437 एवं 9122414564 जारी किया। विजय सिन्हा ने कहा कि सरकार किसी भी परिस्थिति में जनता को तंग करने की अनुमति अधिकारी को नहीं देती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव जंगल राज के युवराज हैं, उन्हें जब सत्ता मिली थी तब वे कहां थे। जो भी नौकरी देने की वे बात करते हैं वह सब एनडीए सरकार द्वारा बनाए गए मापदंड के आधार पर दी गई है। बीपीएससी परीक्षा के दौरान पटना डीएम द्वारा छात्र को थप्पड़ मारे जाने के प्रश्न पर कहा कि राजद प्रतिभाशाली युवाओं को बरगलाकर माहौल खराब करना चाहता है। पटना के डीएम ने अपनी सफाई दे दी है। फोरलेन पर जाम के मामले में उन्होंने कहा कि ट्रैफिक डीएसपी को बुलाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है।

टिकारी : 32 करोड़ की लागत से 39 किलोमीटर सड़क का होगा नवीकरण

गया, एजेंसी। टिकारी विधानसभा की तीन महत्वपूर्ण सड़कों का कायाकल्प होगा। वर्षों पहले बनायी गई सड़कों की सतह जगह-जगह खराब हो गई है। अब सड़कों के सतहों का नवीकरण होगा। आरसीडी सभी सड़कों का निर्माण करायेगी। टिकारी को पटना से जोड़ने वाली स्टेट हाईवे- 69 के पंचानपुर से संडा तक बनी सड़क में संडा और कमालपुर में ड्रेनेज सिस्टम नहीं है। इन दोनों गांवों के पास हाइवे पर नाले का पानी बहता है। दोनों गांवों में ड्रेनेज सिस्टम स्थापित किया जाएगा। जबकि संडा से पंचानपुर तक 19.22 किलोमीटर सड़क की सतह का नवीकरण होगा। इससे टिकारी से पटना जाने-आने वाले लोगों को सहुलियत होगी। इसी तरह मऊ - कुरकुट बिगहा - उसास देवरा से ओर बाजार तक बनी सड़क की सतह का नवीकरण की योजना है। 8.20 किलोमीटर लंबी सड़क की सतह के नवीकरण पर 9 करोड़ 85 लाख रुपये खर्च होंगे। ददरेजी - आंती - रफीगंज सड़क का भी नवीकरण होगा। करीब 11 किलोमीटर लंबी सड़क की सतह नवीकरण पर करीब दस करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। क्षेत्रीय विधायक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इन तीनों सड़कों के नवीकरण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। बाकी सभी जरूरी प्रक्रिया पूरी करते हुए जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन तीनों सड़कों के नवीकरण के बाद बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। इन सड़कों से रोजाना कई जिलों के हजारों लोग सफर करते हैं। विधायक ने कहा कि आने वाले समय में टिकारी की कई और महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण होना है। सड़कों की सूची विभिन्न विभागों में भेजी गई है।

डबल एडमिशन से सरकार को 200 करोड़ का नुकसान 3.50 लाख छात्रों का प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन

सरकारी स्कूलों की योजनाओं की ले रहे सुविधा

पटना, एजेंसी। बिहार में 3.50 लाख ऐसे छात्र हैं, जिनका एडमिशन तो प्राइवेट स्कूल में हुआ है, लेकिन वे सरकारी स्कूल के बच्चों को दी जाने वाली योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इन योजनाओं में स्कॉलरशिप, ड्रेस, बैग और साइकिल योजना शामिल हैं। ऐसे में डबल एडमिशन की वजह से हर साल सरकार को 200 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। डबल एडमिशन की वजह से शिक्षा विभाग को शिक्षक और छात्र के औसत के मुताबिक, नियुक्ति, स्कूलों की संख्या, भवन के निर्माण, मिड-डे-मील, ड्रेस, स्कॉलरशिप, क्लास में पढ़ाई सहित अन्य व्यवस्था के मैनेजमेंट में दिक्कत हो रही है। साथ ही बिहार में औसत साक्षर दर निकालने में परेशानी होती है। डबल एडमिशन की जानकारी छात्रों के आधार कार्ड को ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड के दौरान मिली। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने निर्देश दे रखा है कि स्कूली बच्चों का आधार सीडिंग करवाया जाए। प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में आधार सीडिंग को कंपलसरी किया गया है। आधार सीडिंग के बाद हर जिलों से आंकड़े सामने आ रहे हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने निर्देश दे रखा है कि स्कूली बच्चों का आधार सीडिंग करवाया जाए। प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में आधार सीडिंग को कंपलसरी किया गया है। आधार सीडिंग के बाद हर जिलों से आंकड़े सामने आ रहे हैं।

मिड डे मिल में भी हेराफेरी, हर साल 64 करोड़ का नुकसान : दोहरे नामांकन की वजह से क्लास में छात्रों की उपस्थिति भी कम रहती है। जिससे शिक्षक पढ़ाई में रुचि नहीं लेते। बिहार बोर्ड से मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को दस-दस हजार रुपए की स्कॉलरशिप दी जाती है। इंटर पास छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत 25-25 हजार रुपए की स्कॉलरशिप मिलती है। साइकिल और पोशाक योजनाएं भी हैं। इन सभी योजनाओं का पैसा डीबीटी के जरिए सीधे बच्चों के अकाउंट में भेजा जाता है।

सबसे अधिक मधुबनी में 19,200 नामांकन

राज्य में डबल एडमिशन सबसे अधिक मधुबनी में 19200 हैं। जबकि, सबसे कम ऐसे नामांकन शेखपुरा में 2006 हैं। पटना में 9202 छात्रों का नामांकन हुआ है। इन छात्रों को डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने वाले लाभ से वंचित किया गया है।

आधार अपडेट के लिए निर्देश

डबल एडमिशन को देखते हुए शिक्षा विभाग सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के मैनेजमेंट को छात्रों के आधार कार्ड ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपडेट करने को कहा है। जिससे छात्रों के नामांकन के बारे में जानकारी मिल सके। फिलहाल अभी तक 80 लाख से अधिक छात्रों के आधार कार्ड अपडेट हो चुका है।

डबल एडमिशन की वजह से मिड-डे-मील में भी हेराफेरी हो रही है। इसकी जानकारी स्थानीय शिक्षा के अधिकारियों को भी है। जानकारी के मुताबिक, सरकारी स्कूल में नामांकन और उपस्थित छात्रों के हिसाब से मिड-डे-मील में अनाज देने के साथ ही गैस, सब्जी, नमक, तेल सहित अन्य खरीद के लिए पैसा मिलता है। 1 से 5वीं कक्षा तक के प्रति छात्र 5.45 रुपए, 6 से 8वीं कक्षा के लिए प्रति छात्र 8.17 रुपए तय है। ऐसे में 3.50 लाख छात्रों के मिड-डे-मील में ही लगभग 64 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष हेराफेरी की संभावना है।

जर्मनी की कंपनी सिखाएगी सुरक्षित व बेहतर सफाई के गुर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जर्मनी सरकार की कंपनी 'जीआईजेड निगम के सफाई कर्मियों को सुरक्षित व बेहतर सफाई के गुर सिखाएगी। इसको लेकर निगम ने जर्मन कंपनी के साथ करार किया है। दो दिवसीय ट्रायल सफल होने के बाद आने वाले दिनों में करीब एक हजार कर्मियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। इनमें सफाई कर्मी, चालक से लेकर वार्ड जमादार व अन्य कर्मी शामिल होंगे। इससे पूर्व केंद्र सरकार की योजना के तहत जर्मन कंपनी ने पटना नगर निगम के सफाईकर्मियों को ट्रेनिंग दी थी। हालांकि राज्य में पहली बार किसी नगर निगम के स्तर से पहल की गई है। दरअसल, पिछले दिनों गोवा में देश के चुनिंदा नगर निगमों की बैठक में शामिल होने गए नगर आयुक्त विक्रम विरकर ने सफाई व कचरा प्रबंधन से जुड़े स्टॉर्टअप का निरीक्षण किया था। जीआईजेड के कार्यों को परखने के बाद उन्होंने कंपनी के नेशनल हेड से बात कर सफाईकर्मियों की ट्रेनिंग के लिए तैयार किया था।

लाइव प्रदर्शन के जरिए दी जाती है ट्रेनिंग

ट्रेनिंग में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, स्रोत पर ही कचरे का वर्गीकरण, कचरा संग्रहण के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता व सुरक्षा के साथ सफाई में उपयोग किए जाने वाले सुरक्षा उपकरणों से अवगत कराने के साथ सूखे, गीले, सेनेटरी व खतरनाक कूड़े को अलग करने के गुर सिखाए जाते हैं। लाइव प्रदर्शन के जरिए सफाई उपकरण मास्क, दस्ताना, सुरक्षा बूट, गैस मास्क, हेलमेट, सुरक्षा रस्सी आदि के उपयोग से जुड़ी ट्रेनिंग दी जाती है।

निगम के सभी अंचलों को दी गई 7-7 स्पेशल सफाई किट

निगम के सभी 10 अंचलों में 7-7 स्पेशल सफाई किट उपलब्ध करा दी गई है। इसमें विशेष किस्म के जूते, दस्ताने, रस्सी, हेलमेट व अन्य संसाधन हैं। इससे सुरक्षित तरीके से सफाई या कचरा प्रबंधन आसानी से किया जा सकेगा। नगर आयुक्त विक्रम विरकर का कहना है कि जर्मनी सरकार की कंपनी जीआईजेड से सफाई से जुड़े कर्मियों को ट्रेनिंग दिलवाई जाएगी। इसको लेकर गोवा में कंपनी से बात हो चुकी है। अंचल स्तर पर विशेष सफाई किट उपलब्ध कराते हुए उनके नियमित इस्तेमाल की हिदायत दी गई है।

कार्यकारी डीजीपी का पद छोड़ने के बाद गिनाई उपलब्धियां

पटना, एजेंसी। इसी साल अगस्त में आलोक राज कार्यकारी डीजीपी बने थे। उनका तबादला बिहार पुलिस भवन निर्माण भवन निगम में बतौर डीजी कर दिया गया है। कार्यकारी डीजीपी का पद छोड़ने से पहले उन्होंने पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उनके साथ एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन भी रहे। आलोक राज से जब पूछा किया कि आपने 105 दिनों में कई काम किए। फिर भी इतना कम मौका क्यों दिया गया? उसपर उन्होंने कहा-यह सरकार जाने। नो कमेंट। क्या आपको इसका कोई मलाल है? उसपर आलोक राज ने कहा कि मुझे कोई मलाल नहीं है। सरकार के अलावा सभी डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी, एसपी और पुलिसकर्मियों को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने पूरा सहयोग किया। इसी तरह नए डीजीपी को भी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नए डीजपी विनय कुमार के साथ साइंस कॉलेज में पढ़े हैं। सारण तिहरे हत्याकांड में आलोक राज ने कहा कि नए कानून लागू होने के बाद सारण में तीन लोगों की हत्या हुई थी। सारण पुलिस ने इस केस में बहुत बेहतर काम किया। स्पीडी ट्रायल कराया गया। एफएसएल की बेहतर जांच हुई। इसका नतीजा हुआ कि 50 दिन में ही तीनों आरोपियों को सजा हुई। नए कानून के बाद देश का पहला केस बना जिसमें सबसे कम समय में सजा दिलाई गई।

बोरिंग रोड में सड़क से गलियों तक स्ट्रीट लाइट खराब, पसरा अंधेरा

पटना, एजेंसी। शहर के बोरिंग रोड इलाके में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था पूरी तरह से लचर हो गई है। बोरिंग कैनाल रोड में पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास तक स्ट्रीट लाइट बंद है। इसी तरह बोरिंग रोड, चिल्ड्रन पार्क से मोहनी चौराह, बसावन पार्क, एसके पुरी के विभिन्न गलियों, पानी टंकी से पाटलिपुत्र होते पॉलिटेक्निक मोड़, पाटलिपुत्र-न्यू पाटलिपुत्र इलाके के विभिन्न गलियों ने स्ट्रीट लाइट बंद है। इसका फायदा अपराधी उठा रहे हैं। इन इलाके में रहने वाली महिलाएं शाम ढलने के बाद अकेले घर से निकलने से बच रही हैं। बोरिंग कैनाल रोड के दुकानदार मनोज कुमार ने कहा कि शिकायत के बावजूद स्ट्रीट लाइट नहीं बना। ईईएसएल के हेल्प लाइन नंबर पर शिकायत करने के समय 72 घंटे में बन जाने की बात कही जाती है। लेकिन, कार्रवाई नहीं होती है।

मीठापुर से सब्जीमंडी जाने वाले फ्लाई ओवर पर अंधेरा : मीठापुर से सब्जीमंडी जाने वाले फ्लाई ओवर पर अंधेरा है। इसी तरह करबिगहिया से मीठापुर होते बाइपास जाने वाले मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बंद है। विधानसभा से आर ब्लॉक की ओर जाने वाले कर्पूरी ठाकुर फ्लाई ओवर भी अंधेरा में डूबा रहता है। कदम कुआं इलाके बुद्ध मार्ग के आसपास पास स्ट्रीट लाइट बंद है।

2021 में 85000 लाइट लगाई गई थी : पटना नगर निगम क्षेत्र में पहले पीला हैलोजन वाला स्ट्रीट लाइट था। इसमें अधिक बिजली की खपत होती थी। मेंटेनेंस नहीं होने के कारण शहर में अंधेरा था। वर्ष 2021 में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) ने पटना नगर निगम के साथ स्ट्रीट लाइट लगाने का करार किया। ईईएसएल ने शहर में 85,000 से अधिक लाइटें लगाई। इसका सात साल तक ईईएसएल को मेंटेनेंस करना था। इस एलईडी स्ट्रीट लाइट पर बिजली की खपत कम होने से बिल की राशि में बचत होती है। इसकी हिस्सेदारी ईईएसएल को मिलनी थी। यही राशि नगर निगम के पास 25 करोड़ रुपए ईईएसएल का बकाया है।

30 से 35 प्रतिशत लाइट खराब : नगर निगम के मुख्य सड़कों और गलियों में ईईएसएल के द्वारा लगाया जाने वाली 30 से 35 प्रतिशत स्ट्रीट लाइट खराब है। शहर के फ्लाई ओवर पर पुल निर्माण निगम और अटल पथ, पाटली पथ पर बीएसआरडीसी द्वारा स्ट्रीट लाइट लगाई गई है। इन सड़कों और फ्लाई ओवरों पर भी दोनों विभाग के मॉनिटरिंग के अभाव में स्ट्रीट लाइट बंद है।

सीवान में डबल मर्डर, पिस्टल लेकर घर में घुसे थे : महिलाओं के चिल्लाने पर जुटी भीड़, लाठी, रॉड से पीट-पीटकर मार डाला

हथियार दिखाकर पैसे मांगने लगे

सीवान, एजेंसी। सीवान में दो लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। दोनों का शव एक घर के पहले तल्ले पर मिला है। आरोप है कि दोनों हथियार लेकर घर में घुस गए और पैसों की डिमांड करने लगे। जिसके बाद लोगों ने दोनों पर लाठी और रॉड से हमला कर दिया। मामला सराय थाना क्षेत्र के मखदूम सराय मोहल्ले का है। डबल मर्डर से इलाके में सनसनी है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही सराय थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, नगर थाना अध्यक्ष राजू कुमार और एसडीपीओ अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर के बेला थाना क्षेत्र के क्लामुद्दीन बेटे मो. सैयद अली और सराय थाना क्षेत्र के पुरानी किला पोखरा निवासी निजामुद्दीन बेटे फकीरा के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्तौल भी बरामद की है। बताया जा रहा है कि सैयद अली अपने ननिहाल में रहता था।

महिलाओं के शोर मचाने पर भीड़ ने पकड़कर पीटा

मखदूम सराय लहेरा टोली में अनवर अली के घर सैयद और फकीरा घुसे थे। दोनों लूटपाट के इरादे से पिस्टल के साथ आए थे। जिसके बाद दोनों घर में मौजूद लोगों को डरा धमका कर पैसा मांगने लगे। जिसके बाद घर में मौजूद महिलाओं ने डर के कारण शोर मचाने लगी, जिससे मोहल्ले के लोग वहां इकट्ठा हो गए। आरोपियों ने लोगों को घर से बाहर जाने के लिए धमकाया, जिससे गुस्साए लोगों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और घटनास्थल को संरक्षित कर एफएसएल टीम से जांच कराई जा रही है।

दो लोगों से पूछताछ जारी

एसडीपीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने मामले में अब तक दो लोगों को न्यायिक हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

राजद नेता बोले- 'माई-बहिन मान योजना' चलाएंगे : सरकार बनी तो हर महिला को 2500 माह : तेजस्वी

पटना, एजेंसी। राज्य में तय समय पर विधानसभा चुनाव होने में 10 महीने बाकी हैं और चुनावी घोषणाएं चालू हो गई हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को माई-बहिन मान योजना चलाने की घोषणा करके हुए कहा कि मेरी सरकार बनी तो इस योजना से हर महिला को प्रति माह 2500 रुपए देंगे। सरकार बनने के एक महीने के भीतर योजना लागू होगी। तेजस्वी राज्य में कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम कर रहे हैं और अब तक 3 बड़ी चुनावी घोषणाएं कर चुके हैं। राज्य के सभी लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री, सामाजिक सुरक्षा और वृद्धावस्था पेंशन 400 से बढ़ाकर 1500 करने का वादा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आशीर्वाद जहां है, सुख-समृद्धि का वास वहीं है। इसी मंत्र पर चलते हुए बिहार की हर महिला को हम सक्षम बनाना चाहते हैं। जो बहनें अपने मन का खा नहीं पाती, अपने मन का खरीद नहीं पातीं, उन मां-बहिनों के लिए ये योजना समर्पित होगी। बढ़ती और व्यापक महंगाई के चलते घर-परिवारों को राहत की दरकार है। महिलाओं को 2500 रुपए मिलेंगे तो नए बिहार के साथ ÷समृद्ध महिला, सुखी परिवार÷ का सपना सच होगा। महिलाओं को नकद पैसा मिलेगा तो वे अपने परिवार की भलाई में अधिक पैसा निवेश करेंगी। पूरे परिवार के लिए पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और बच्चों की शिक्षा मे उन पैसों को लगाएंगी। छोटे व्यवसाय शुरू करने या कौशल प्रशिक्षण में निवेश करेंगी। उन्होंने कहा कि 17 महीने के पिछले कार्यकाल में मैंने अपना वादा पूरा किया था।

पीरपैंती में ट्रैक्टर से कुचलकर सात वर्षीय बालक की मौत

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के बाखरपुर दियारा के नरकटिया जोला मठिया की कच्ची सड़क पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सात वर्षीय बालक आशीष कुमार पिता बनवारी रजक को कुचल दिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और आसपास बहियार में काम कर रहे लोग दौड़े। इधर घटना की सूचना मिलते ही बाखरपुर थाना से अवर निरीक्षक रमेश चौधरी भी पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

हवा-हवाई दावे-वादे करना तेजस्वी का काम : विजय

पटना, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि वादे का पिटारा लेकर 'ट्विटर ब्वाय' तेजस्वी यादव ने जनता को दर्शन दिया है। उन्होंने बिहार की महिलाओं से वादा किया है कि उनकी सरकार बनी तो 2500 रुपए महीना देंगे। लेकिन जब उनसे पूछा गया कि किन महिलाओं को देंगे, उसका आधार क्या होगा तो कुछ बोल नहीं पाए। क्योंकि उनको अच्छे से पता है कि वे हवाई संस्कृति वाले शहजादे हैं। केवल हवा-हवाई दावे और वादे करना उनका काम है। जिसका कोई तार्किक और व्यवहारिक आधार नहीं होता। इनके लिए राजनीति 'एंटरटेनमेंट' है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी भूल गए हैं, पर बिहार के लोग नहीं भूले हैं कि इनका पूरा परिवार महिलाओं के बारे में कैसी सोच रखता है। अभी हाल में इनके पिताजी के एक बयान में भी उसकी झलक लोगों ने देखी। वास्तविकता यह है कि हमारी एनडीए सरकार ने महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक स्थिति को बहुमुखी तरीके से सुधारने का प्रयास किया। उन्हीं प्रयासों के कारण महिलाएं आज शिक्षा और रोजगार में राज्य में एक-तिहाई से अधिक का योगदान दे रही हैं। पंचायती राज व्यवस्था में आज उनकी भागीदारी 50 प्रतिशत से भी अधिक हो चली है।

2025 में सांसदी छोड़ विधायकी लड़ेंगे चिराग पासवान? बोले- मैं तैयार, पार्टी को लेना है फैसला

पटना, एजेंसी। लोजपा (आर) के अध्यक्ष और हाजीपुर से सांसद चिराग पासवान के एक बयान से नई सियासी चर्चा का को हवा मिल गई है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि मेरे लिए सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण एक विधायक की भूमिका होगी। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है, लेकिन मैं पूरी तरह तैयार हूं। मेरा मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। ऐसे में कयास लगने लगे हैं कि क्या 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग विधायकी का चुनाव लड़ेंगे। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि यह इच्छा मैंने जरूर जाहिर की है, कि मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहे हैं। मैंने जाहिर किया है कि सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण मेरे लिए एक विधायक की भूमिका होगी, जहां राज्य में रहकर बिहार के लिए ज्यादा काम कर सकूं। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच को धरातल पर उतार सकूं। ये फैसला आने वाले दिनों में पार्टी को ही लेना है। लेकिन मैं पूरी तरह तैयार हूं। आपको बता दें इससे पहले भी चिराग कह चुके हैं कि उन्हें केंद्र से ज्यादा उन्हें बिहार की राजनीति में दिलचस्पी है। राजनीति में आने का उनका मुख्य एजेंडा ही बिहार रहा है। ये बात शुरू से क्लियर रखा है। पिता रामविलास पासवान केंद्र की राजनीति पर ज्यादा फोकस करते थे। लेकिन अपने आप को राज्य की राजनीति में ज्यादा देखता हूं। 2025 में नहीं तो 2030 में आप जरूर मुझे विधायक के तौर पर देखेंगे। एक बार फिर से चिराग अपने ही बयान को दोहराया है। जिसके बाद से उनके 2025 में विधायकी का चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

सीएम नीतीश के नेतृत्व ने पिछले उन्नीस वर्षों में सूबे की काया पलट दी : अशोक चौधरी

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह बापू सभागार में रविवार को जिला जदयू के द्वारा जिलाध्यक्ष मंजू देवी की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव सह ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुए विकास कार्य पिछले उन्नीस वर्षों में सूबे की काया पलट दी है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को पिछले दौरे के बिहार की असलियत का अंदाजा नहीं है, उन्हें बताना होगा कि पुरे सुबे में उस समय किस तरह बदहाली थी। कहा कि आज शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, कृषि, उद्योग, रोजी रोजगार सहित हर मामले में बिहार ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण जैसे अनेकों लाभकारी योजनाओं का सृजन कर हर तबके का विकास किया जिसके कारण गरीबी रेखा से बाहर होने वाले की गति दुगुनी हो गई है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव सह विधानपार्षद भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि 2025 में फिर से नीतीश कुमार की सरकार बनानी है। इस मौके पर प्रदेश जदयू उपाध्यक्ष सह विधानपार्षद संजय सिंह, विधानपार्षद रीना यादव, विधानपार्षद डॉ. खालिद अनवर, विधायक शालिनी मिश्रा, विधान पार्षद प्रोफेसर विरेन्द्र नारायण यादव, प्रदेश जदयू उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री अजित चौधरी, पूर्व विधानपार्षद संजीव श्याम सिंह, पूर्व विधानपार्षद राजू यादव, तिरहुत प्रमंडल प्रभारी राणा रंधीर सिंह चौहान, पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, पूर्व मंत्री विरेन्द्र सिंह कुशवाहा, पूर्व विधायक मोहम्मद ओबैदुल्लाह, रजिया खातून, मीना द्विवेदी, शिवजी राय, पूर्व विधानपार्षद सतीश कुमार, वरिष्ठ जदयू नेता प्रो.दिनेश चन्द्र प्रसाद, भुवन पटेल, रतन सिंह पटेल, दीपक पटेल, ब्रजेश श्रीवास्तव, शंभू कुशवाहा, जिला प्रवक्ता जदयू जन्मेजय कुमार पटेल, जिला प्रवक्ता जदयू संजीव श्रीवास्तव, जिला जदयू के कोषाध्यक्ष दिवाकर कौशिक, जदयू के वरिष्ठ नेता कुणाल पटेल, ब्यास प्रसाद सिंह, राजकिशोर ठाकुर, साकेत सिंह, दिव्यांशु भारद्वाज, विशाल शाह, अमरेन्द्र सिंह, बिनोद यादव, बबन कुशवाहा, कविन्द्र कुशवाहा, सुनील भूषण ठाकुर, विनय कुमार कुशवाहा, धीरज चन्द्रवंशी, बृजमोहन गुप्ता, शोभा सिंह, संजय मोदी, संजय सिंह, दिनेश पासवान, जितन पटेल, बृजेश कुशवाहा, मदन पटेल, संजीव पटेल, शिवरानी देवी, दयाशंकर सिंह, रामेश्वर सहनी, राजेश कुमार बैठा, प्रो. अरूण पटेल, राकेश सिंह, सुधा चौधरी, संतोष भास्कर, प्रताप पटेल, प्रकाश चौधरी, रोहित गिरी, बिरेंद्र राय पटेल, जितेन्द्र चौधरी, देवेन्द्र सहनी, शर्मानंद सहनी, शाहजाद खान, अभिषेक प्रकाश रजक, संजय सिंह पटेल, अमरनाथ प्रसाद, पप्पु कुशवाहा, हाजी मो. अकिलुर्रहमान, भरत पटेल, मोहम्मद एहतेशाम, सुभाष सिंह, ध्रुवलाल मांझी,अभय गुप्ता, संजय किशोर तिवारी, बद्री पासवान, प्रमोद पासवान, कृष्ण कांत मिश्र सहित हजारों लोग उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी जिलाध्यक्ष मंजू देवी के हवाले से जिला जदयू के प्रवक्ता संजीव श्रीवास्तव ने दी है।

दो दो मंत्रियों के सामने ही आपस में भीड़े कार्यकर्ता, जमकर हुई लात-जूते की बारिश

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी में जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन रविवार को किया गया, परन्तु इस सम्मेलन में कार्यकर्ता एकजुटता दिखाने के बजाय आपस में ही भिड़ गए। उनके बीच आपस में जमकर लात-जूता की बारिश हुई। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित मंत्री के सामने ही कार्यकर्ताओ के बीच जमकर लात घुसे चले। कुछ वक्त के लिए महात्मा गांधी प्रेक्षागृह बापू सभागार, मोतिहारी रणभूमि में तब्दील रहा। मंत्री के समक्ष स्टेज पर ही जमकर लात घुसे चलने लगे। थोड़ा देर के लिए अफरा तफरी मच गया। बता दें की बिहार सरकार के कई मंत्री कार्यक्रम में पहुंचे थे। जिसमें मंत्री अशोक चौधरी, विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार समेत करीब आधा दर्जन से ज्यादा मंत्री पहुंचे थे। हालांकि विवाद का कारण तो स्पष्ट नहीं है लेकिन किसी नेता के भाषण ना दिलवाने के कारण पूछे जाने पर एक नेता के पुत्र द्वारा कार्यकर्ताओ से मारपीट करने की बात कही जा रही है। सभी नेता मंच से अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट होने का पाठ पढ़ा रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर जिलाध्यक्ष के बेटे और दूसरे समर्थकों में विवाद हो गया और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। मौके पर मौजूद जेडीयू के कुछ नेता कार्यकर्ताओं से समझाने की कोशिश aकरते रहे। लेकिन कार्यकर्ता मानने को तैयार नहीं थे। बाद में किसी तरह से मामले को शांत कराया गया।

डीएसपी ने की संत माइकल स्कूल कार्यालय का उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के आदापुर प्रखंड क्षेत्र के श्यामपुर- आदापुर बाजार स्थित रेलवे गुमटी के समीप रविवार को एक कार्यक्रम के बीच संत माइकल इंग्लिश स्कूल के आदापुर शाखा कार्यालय का उद्घाटन संपन्न हुआ। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल धीरेंद्र कुमार, डीएसपी दुर्गा शक्ति के साथ-साथ संत माइकल इंग्लिश स्कूल ग्रुप के चेयरमैन सेवानिवृत वायुसेना अधिकारी अरूण कुमार सिंह, आदापुर के प्रमुख समाजसेवी रमेश सिंह के साथ अन्य लोगों के द्वारा फीता काट कर किया गया। कार्यालय उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने बताया कि रक्सौल में संत माइकल इंग्लिश स्कूल बच्चों के सर्वांगींण विकास को लेकर काफी अच्छा काम कर रही है, आदापुर में भी संत माइकल इंग्लिश स्कूल का ब्रांच खुलने से आदापुर प्रखंड के ग्रामीण इलाके के साथ-साथ आसपास के प्रखंड छौड़ादानो के बच्चों को भी उनके घर के पास बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। उन्होंने इस मौके पर स्कूल प्रबंधक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी बच्चों के बेहतरी के लिए काम करीए ताकि सीमावर्ती इलाके के बच्चें देश-विदेश में अच्छे पदों को शोभित करते हुए रक्सौल व आदापुर का नाम रौशन कर सकें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परमा प्रसाद गुप्ता कर रहे थे। लोगों को संबोधित करते हुए विद्यालय के चेयरमैन अरूण कुमार सिंह ने कहा कि हमलोग स्कूल को व्यवसाय की तरह नहीं करते है, एक हमारा एक प्रयास है कि हम स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ एक सभ्य नागरिक बना सके। ऐसे में स्कूल की पूरी टीम बच्चों के सर्वांगींण विकास को लेकर लगातार काम करती है। मौके पर समाजसेवी लालबाबू सिंह, शंभू प्रसाद, भैरव प्रसाद गुप्ता, ओम ठाकुर, मो. शोएब सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

एसएसबी स्थापना दिवस के अवसर पर जवानों ने किया रक्तदान

बीएनएम। मोतिहारी

बीएनएम।71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल पिपराकोठी कैंप में एसएसबी के 61 वीं स्थापना दिवस के पूर्व कार्यक्रम के अवसर पर निशा उपेन्द्र एजुकेशनल और सोशल वेलफेयर ट्रस्ट स्वर कोकिला पदम् भूषण स्व० श्रीमति शारदा सिन्हा के पुण्य स्मृति में सामूहिक रक्तदान एवं निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बलकर्मियो द्वारा रविवार को स्वेच्छा से रक्त दान किया गया । इस मौके पर निशा उपेन्द्र एजुकेशनल और सोशल वेलफेयर ट्रस्ट पटना के डॉ मो. सद्दाम ने रक्तदान के महत्व और रक्तदान महादान विषय पर सभी जवानों को जागरूक किया और बताया कि रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद की जान बचती है एक यूनिट रक्तदान से तीन लोगों की जान बच सकती है यह दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है । यह वजन कम करने का एक पूरक तरीका भी है । अक्सर रक्तदान करके अपनी त्वचा के स्वास्थ्य को भी बनाए रख सकते हैं I इस रक्तदान शिविर में वाहिनीं के कुल 30 बलकर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया । इस शिविर में मुख्य अतिथि सुनील कुमार ,अंचलाधिकारी पिपराकोठी के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति में नवीन कुमार, उज्जवल कुमार , राहुल आनंद, तुणीर कुमार और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे तथा वाहिनी मुख्यालय के, दिनेश कुमार ममोत्रा (उप कमांडेंट), चिकित्सा पदाधिकारी 71 वीं वाहिनी, निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह , सहायक उप निरीक्षक खुशप्रीत, सहायक उप निरीक्षक कुलवंत,मुख्य आरक्षी चिकित्सा रितेश कुमार और वाहिनी के अन्य बलकर्मी भी उपस्थित रहे।

एनएसएस स्पेशल कैंप में हुआ फ्री हेल्थ चेकअप

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद लिए गए गांव मंजुराहा में सप्तदिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन रविवार को एनएसएस स्वयंसेविवों द्वारा दो सत्रों में संचालित सामुदायिक गतिविधियां नागरिकों के स्वास्थ्य व स्वच्छता पर केंद्रित रही। शहर के प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ.एस कुमारी एवं चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.दिवाकर पांडेय ने एनपीएस अनुचित जाति टोला, मजुराहां में अपनी निःशुल्क सेवा देकर मंजुराहावासियों व रोगियों का दिल जीत लिया। कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने डॉ.एस कुमारी व डॉ.दिवाकर पांडेय का पौधा देकर स्वागत किया। मौके पर मौजूद कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने भी एनएसएस स्वयंसेवियों के साथ निस्सहाय रोगियों की सहायता करते हुए कहा कि स्वस्थ व खुशहाल अस्तित्व एवं निरोगी राष्ट्र के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ है और किसी भी बीमारी से मुक्त है, परंतु लगातार वह लालच, तनाव, क्रोध आदि में रहता है, तो वह व्यक्ति स्वस्थ नहीं कहा जा सकता है। कुशल स्वास्थ्य शांति और आनंद का एक अद्भुत स्रोत है। प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ.एस कुमारी ने रोगियों को निः शुल्क परामर्श देते हुए कहा कि एनएसएस वालंटियर्स का हाइजिन एंड सैनिटेशन पर यह अभियान काफी सराहनीय है। एक स्वस्थ व्यक्ति वह होता है जिसका शरीर और दिमाग दोनों स्वस्थ होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में उम्रदराज रोगियों व रोगियों के स्वजनों के लिए अधिकतम जागरूकता की महती आवश्यकता है। मंजुराहावासियों के डोर-टू-डोर जाकर व्याधिग्रस्तों को सूचित करते हुए उन्हें इलाज कराकर सदा स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस पीओ-सह-वनसपति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार ने इस अभियान का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि मानव शरीर के लिए स्वास्थ्य एक सकारात्मक स्थिति है जहाँ मन एवं शरीर का हर हिस्सा सामंजस्य में होता है। जब शरीर के सभी अंग अच्छी तरह से काम कर रहे होते हैं, तो मानव शरीर की इस शारीरिक स्वस्थ स्थिति को स्वास्थ्य कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक आंकड़े के अनुसार साबुन व पानी से हाथ धोना लगभग 50% बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए पर्याप्त है। दिन के उत्तरार्द्ध में संचालित दूसरे सत्र में एनएसएस वालंटियर्स द्वारा हाइजिन एंड सैनिटेशन पर निकली रैली ने भी मंजुराहावासियों को स्वस्थ व स्वच्छ रहने के लिए अभिप्रेरित किया। एनएसएस वालंटियर्स हम सभी का एक ही सपना, स्वच्छ भारत हो अपना, सभी रोगों की एक ही दवाई, घर में हो साफ-सफाई जैसे नारों का उद्घोष करते हुए वार्ड सं 32 के निवासियों को शारीरिक स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। रैली में एनएसएस वालंटियर्स के साथ कदमताल कर रहे राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन ने कहा कि स्वास्थ्य मानसिक, आध्यात्मिक, शारीरिक व सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थता की स्थिति है, न कि केवल बीमारी की अनुपस्थिति। एनएसएस वालंटियर्स ने मंजुराहावासियों को निरोग रहने का संकल्प दिलाते हुए उन्हें भोजन के पूर्व व पश्चात हाथ व दांत की सफाई, नाखून की सफाई व आंख सहित सभी अंगों की सफाई के लिए प्रेरित किया। वालंटियर्स ने लोगों को पौष्टिक आहार, स्वच्छ पेयजल व स्वच्छ हवा का महत्व भी बताया। फीमेल वालंटियर्स ने किशोरियों व महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के लिए अभिप्रेरित किया। जागरूकता के इस अवसर पर प्राध्यापकों की ओर से प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. दीपक कुमार व डॉ. कुमार राकेश रंजन तथा एनएसएस वालंटियर्स की ओर से वर्षा पटेल, निक्की, सोनाली, सुधा, रिमझिम, कलीमुल्लाह अबरार, चंदन कु.यादव, विंकल कु.यादव सहित सभी ने ग्रामीणों को जागरूक किया। रणविजय कुमार सिंह ने भी विशेष शिविर में सहयोग प्रदान किया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

प्रतिबंधित ई सिगरेट की तस्करी रोकने गए कस्टम अधिकारियो से जीआरपी ने की दबंगई

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल जंक्शन पर रविवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब तस्करी की चाइनीज ई सिगरेट की बड़ी खेप सत्याग्रह एक्सप्रेस से आनंद विहार के लिए जाने वाली थी। उसी समय जब्त करने पहुची कस्टम अधिकारियों को जीआरपी ने हिरासत में ले लिया। इसके बाद वहां विवाद बढ़ गया। चाइनीज ई सिगरेट की खेप सत्याग्रह एक्सप्रेस से जाने वाली थी। इसकी सूचना जब कस्टम को लगी तब रेलवे स्टेशन पहुंच चाइनीज ई सिगरेट को कस्टम के अधिकारियों द्वारा जब्त किया गया। इस खबर को सुन जीआरपी के थानाध्यक्ष पवन कुमार भी वहां पहुचे और इस बीच कस्टम व जीआरपी में विवाद बढ़ गया। जानकारों की माने तो जीआरपी ने तीन कस्टम अधिकारियों को दो घण्टे के लिए अभिरक्षा में भी रखा था। हालांकि जीआरपी थाना प्रभारी से इस सम्बंध में कुछ भी नही बताया गया है। बता दें कि भारत नेपाल सीमा पर इन दिनों रेल के माध्यम से तस्करी जोरों पर है। पार्सल में बुकिंग कर ट्रेन में लोड माल का कस्टम अधिकारियों द्वारा बिना सूचना के सील तोड़कर माल को ट्रेन के बोगी से उतारने को लेकर कस्टम और जीआरपी के बीच विवाद शुरू हो गया। दोनों के बीच तू तू मैं मैं और एक दूसरे पर केस करने की भी धमकी दी गई। पार्सल अधिकारी, आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारियों ने बताया कि कस्टम के अधिकारी लोग बिना सूचना के ट्रेन में सील कर के लोड किया हुआ माल को तोड़ कर माल को ट्रेन से उतार लिया गया, जबकि नियम के मुताबिक पार्सल बुकिंग माल के सील को बिना पार्सल अधिकारी को सूचना दिए नहीं तोड़ा जा सकता।जबकि कस्टम के अधिकारियों ने बताया कि इसकी सूचना दी गई थी। बता दें कि रक्सौल से आनंद बिहार जाने वाली सत्याग्रह ट्रेन में ई सिगरेट पार्सल द्वारा बुकिंग कर लोड किया गया था। जो कि प्रतिबंधित आइटम है।जिसे कस्टम के अधिकारियों ने पार्सल को बिना सूचना दिए ट्रेन बोगी से उतारने लगे और सील तोड़ दिए। हालांकि इस मामले में कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे है। फिलहाल बरामद माल को जीआरपी, आरपीएफ और कस्टम द्वारा संयुक्त रूप से जब्त कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कार्यकर्ता सम्मेलन में हजारों समर्थकों के साथ पहुचें जदयू के पूर्व विधायक शिवजी राय

बीएनएम। पकड़ीदयाल। मधुबन विधानसभा के पूर्व विधायक जदयू नेता शिवजी राय ने सैकड़ो गाड़ियों के काफिले और हजारों समर्थकों के साथ पकड़ीदयाल पहुंचे पकड़ीदयाल की जानता ने भव्य स्वागत किया। पूर्व विधायक शिवजी राय ने कहा कि जिला में जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन है जिसको लेकर सभी समर्थक एवम जदयु के कार्यकर्ता पहुंचे। पकड़ीदयाल निवासी सचिन यादव डॉक्टर रूपेश कुमार मनोज कुशवाहा पैक्स अध्यक्ष चंद्रिका राय ने बताया कि फेनहरा मधुबन और पकड़ीदयाल से सैकड़ो की संख्या में गाड़ी है। हजारों की संख्या शिवजी राय के समर्थक एवम कार्यकर्ता पकड़ीदयाल में एकत्रित होकर जदयु कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए मोतिहारी पहुचे। वही सभी लोगों ने शिवजी राय जिंदाबाद नीतीश कुमार जिंदाबाद का नारा लगाया। विपिन प्रसाद ने बताया कि जिस प्रकार बिहार में नीतीश कुमार की जरूरत है उसी प्रकार मधुबन में शिवजी राय की जरूरत है। गरीब मजदूर दलित महा दलित गरीबों एव अल्पसंख्यको के मसीहा पूर्व विधायक शिवजी राय को एक बार फिर से मधुबन की जनता विधायक के रूप में देखना चाहती है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष का हुआ चुनाव

बीएनएम। चकिया-पू०च०। शहर के मुजफ्फरपुर रोड स्थित व्यापार मंडल परिसर में अवस्थित बीजेपी पार्टी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।इस दौरान संगठन पर्व अभियान के तहत मंडल अध्यक्ष पद के चयन के लिये विचार विमर्श किया गया। इस दौरान सर्व सहमति से चकिया नगर मंडल अध्यक्ष के लिए विजय श्री गुप्ता उर्फ विजय श्री तथा चकिया ग्रामीण मंडल के लिए शिवकुमार सिंह व पिपरा मंडल के लिए नरेश शाह एवं मेहसी मंडल पद के लिए अशोक कुशवाहा का चयन किया गया। बैठक में मौजूद बतौर मुख्य अतिथि के रूप क्षेत्रीय विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव ने चयनित सभी मंडलाध्यक्षों को माला पहनकर दूसरे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। मंडल चुनाव प्रभारी के रूप में बृजभूषण गिरी,संजय चौधरी,अजय प्रकाश उपाध्याय,रोहित सिंह ने बारी बारी से मंडल अध्यक्षों के नाम का प्रस्ताव रखा जिसपर मौजूद सभी भाजपा पदाधिकारी आदि ने हाथ उठाकर अपना समर्थन दिया ।वहीं विधायक ने कहा कि सभी मंडल अध्यक्षों को दूसरी बार जिम्मेदारी मिली है जो सभी निष्ठावान व पार्टी के लिए समर्पित हैं। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं जिसके बदौलत पार्टी बुलंदियों पर है तथा बीजेपी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर आई है।आगत 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में जुटने का आह्वान किया ताकि पूनः सरकार बनाई जा सके। मौके पर सुधीर मिश्रा,अरुण कुशवाहा, राजीव कुमार बुल्लू सिंह, संभू सिंह,अनूप कुशवाहा,अंजन सिंह, संदीप सुल्तानिया,संभू गुप्ता,विशाल राम, परवीन सम्राट,लखींद्र राम,ओम प्रकाश गुप्ता, कृष्णा शर्मा,राजा सहनी,मोहन भार्गव, राजेश साह,दीपक पासवान,अमित यादव,बिन्नी गुप्ता मौजूद थे।

ओवरलोड गन्ना लदा ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी,की मौत घंटे लगा जाम

मुआवजा के लिये मृतक के परिजनो ने अरेराज-बेतिया मुख्य मार्ग को घंटो किया जाम

बीएनएम। पहाड़पुर

पहाड़पुर थाना क्षेत्र के अरेराज-बेतिया मुख्य मार्ग पर सटहां पावर हाउस के समीप रविवार के अहले सुबह एक गन्ना लदे ट्रैक्टर पलटने से चालक की दबकर मौके पर ही मौत हो गयी । मृतक की पहचान पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बनकट गाँव निवासी रुदल महतो के पुत्र धन्नीलाल कुमार (20) के रुप मे हुआ। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुँचे मृतक युवक के परिजनो ने अरेराज-बेतिया मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, लगभग पांच घंटा सड़क जाम रहा । परिजन ट्रैक्टर मालिक पर प्राथमिकी दर्ज करने के साथ उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे काफी मश्कत के बाद अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार के आश्वासन के बाद परिजनो ने रोड जाम समाप्त किया पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये मोतिहारी भेज दिया। बताया जाता है की धन्नीलाल कुमार हरसिद्धि थाना क्षेत्र के पैठानपट्टी निवासी बिस्मिल्लाह खां के ट्रैक्टर के चालक के रुप मे काम कर रहा था।

गाड़ी धुलाई करने वाले का रोड पर कब्जा राहगीर परेशान

बीएनएम। छौड़ादानो

जिला के छौड़ादानो थाना क्षेत्र में गाड़ी वाशिंग करने वाले का रोड पर कब्जा है। जिससे राहगीर को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गाड़ी वाशिंग करने वाले छौड़ादोनों नहर से मोटर चौक तक प्रेशर बैठाकर गाड़ी का वॉशिंग करता है जिसे आम लोगों को जाने आने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गाड़ी वाशिंग करने वाले रोड पर पानी पटा देता है। मोटरसाइकिल से सवारी करने वाले जब ब्रेक लगता है तो गाड़ी फिसल कर गिर जाता है और उल्टे मोटरसाइकिल सवार पर अपना दबदबा भी बनता है। राहगीर जब चलते हैं तो गाड़ी से गंदा पानी टकरा कर लोगों के कपड़ों पर पड़ता है। तथा लोगों का कपड़ा गंदा हो जाता है। जहां-जहां गाड़ी वाशिंग हो रहा है वहां-वहां मोटरसाइकिल फिसल कर गिरने का आम बात हो गया है। रोड पर पानी के जमाव होने से बहुत जल्द ही रोड टूट जा रहा है। इसी रास्ते से शासन और प्रशासन की भी गाड़ी गुजरती है। उन लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वे लोग चार चक्का बंद गाड़ी में रहते हैं। गाड़ी वाशिंग के सामने से गुजरा बहुत ही मुश्किल हो गया है। सूत्रों ने बताया कि गाड़ी वाशिंग करने वालों से पूछे जाने पर पूछने वालों के ऊपर दबदबा बनाते हैं। लगता है कि रोड गाड़ी वाशिंग करने वालों के लिए ही बना हुआ है इसकी जानकारी सूत्रों ने दी है।

जनसुराज ने जिला संगठन के कार्यो को गति देने के लिए की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जनसुराज के जिला कार्यालय में जिला इकाई की बैठक रविवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष महेश बैठा ने की। बैठक में जनसुराज के जिला संगठन के कार्य को गति देने के लिए चर्चा हुई। ताकि जनसुराज की सोच को जनता तक कैसे पहुंचे। वहीं आगामी 10 जनवरी को जनसुराज के बिहार प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती के मोतिहारी आगमन को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों में जनसुराज की सोच को जनता तक पहुंचाया जाए ताकि जनसुराज पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में चुनाव जीत कर अपने दम पर सरकार बनाए। बैठक में जिला कार्यालय प्रभारी अरूण कुमार तिवारी, जिला महिला अध्यक्ष विभा शर्मा, जिला युवा अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह, काका, सुबोध कुमार तिवारी, सलोनी कुमारी सदर अनुमंडल अध्यक्ष, लालधारी प्रसाद, अधिवक्ता, नगर जिला उपाध्यक्ष, जिला से सभी जनसुराज के पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक में जनसुराज के जिला मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार ने कहा कि जनसुराज के सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारीयो के साथ बैठक की गई। जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव में जनसुराज की जीत के लिए हम सभी कार्यकर्ता दिन रात मेहनत करेंगे।

शराब तस्कर समेत तीन पियक्कड़ गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

पुलिस ने एक शराब तस्कर सहित तीन को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर तुरकौलिया थाना क्षेत्र का देवानंद चौधरी है। वही एक शराबी महानवा अमराखिया बाजार से पकड़ा गया है। शराबी बेलघटि का रहने वाला है राजू बैठा। शराब पीकर लड़खड़ा कर उक्त बाजार के समीप चल रहा था। ब्रेथ एनालाइजर से जांच हुआ तो वह शराब पिया हुआ था। जबकि एक वारंटी फतेह टोला का शमशेर देवान है। वह कुर्की वारंटी था। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इधर, रघुनाथपुर पुलिस ने भी एक शराबी को सपही वृतिया से पकड़ा है। वह सपही डेरा का रहने वाला संजय सिंह है। शराब पीकर हंगामा कर रहा है। थानाध्यक्ष विकास कुमार पासवान ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सरकार ओसीसीआरपी की साख पर सवाल उठा रही

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर आरोप है कि वे देश में विकास को बाधित कर रहे हैं, निवेश रोकना चाहते हैं, देश को बदनाम कर रहे हैं आदि आदि। सवाल है कि क्या गौतम अडानी के खिलाफ कोई बात कहना देश के खिलाफ बोलना हो गया? पहले तो भाजपा और केंद्र सरकार के इकोसिस्टम ने यह नैरेटिव बनाया कि सरकार के खिलाफ या नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलना देश के खिलाफ बोलना होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री और सरकार को ही देश बना दिया। अब क्या नरेंद्र मोदी वाली स्थिति ही गौतम अडानी की भी देश में बना रहे है, जो उनके खिलाफ बोलने को भी देश के खिलाफ बोलना कहा जाएगा? इसी तरह दूसरा सवाल यह है कि ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट यानी ओसीसीआरपी की किसी रिपोर्ट का हवाला देना देश विरोधी कैसे हो गया? यह संस्था तो पूरी दुनिया में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध के मामले खोलती है। इसका मतलब है कि संस्था भ्रष्टाचार विरोधी है। तो भ्रष्टाचार विरोधी संस्था भारत विरोधी संस्था कैसे हो गई? संस्था की रिपोर्ट भ्रष्टाचार के खिलाफ है और हम कह रहे हैं कि भारत के खिलाफ है। भाजपा का राहुल गांधी के ऊपर सबसे ज्यादा हमला इस बात को लेकर है कि उन्होंने ओसीसीआरपी की रिपोर्ट का बार बार हवाला दिया है। इस संस्था ने पेगासस से जासूसी का मामला खोला था और अडानी समूह द्वारा शेयर बाजार में हेराफेरी का भी खुलासा किया था। संस्था ने जो खुलासा किया उसके मेरिट पर बात करने की बजाय सरकार संस्था की साख पर सवाल उठा रही है। बहरहाल, राहुल गांधी इस संस्था की रिपोर्ट का हवाला देकर सरकार को कठघऱे में खड़ा कर रहे हैं तो उनके एजेंडे पर सवाल उठाया जा रहा है और उनको देश विरोधी बताया जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि वे यह मुद्दा नहीं उठाएंगे तो दुनिया इसके बारे में नहीं जानेगी। ओसीसीआरपी वैश्विक संस्था है, जिसमें दुनिया भर के पत्रकार जुड़े हैं यह रिपोर्ट दुनिया भर में देखी जाती है। इसका मतलब है कि राहुल गांधी मुद्दा नहीं भी उठाएं तब भी दुनिया के लोग जानेंगे कि भारत में क्या हो रहा है। वैसे राहुल गांधी ने अपना एजेंडा साफ कर दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि वे कारोबार विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे एकाधिकारवाद के विरोधी हैं यानी दो चार लोगों के हाथ में सब कुछ सौंप देने का वे विरोध करते हैं। राहुल ने यह भी कहा कि अच्छे और ईमानदार उद्योगपति उनसे मिलते हैं तो उनकी बातों से सहमत होते हैं। उन्होंने कहा कि एकाधिकारवादी पूंजीपति राष्ट्रीय संस्थाओं के लिए ठीक नहीं हैं, प्रतिस्पर्धा के लिए ठीक नहीं हैं और छोटे उद्यमियों के लिए भी ठीक नहीं हैं।

घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है। संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल ढ्ढह्लह्लश्चह्यः//ह्यड्डद्वश्चड्डस्त्रड्ड.द्वश्चद्बद्दह्म्.द्दश1.द्बठ्ठ पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की "आधार" बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्पापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है। ई-हस्ताक्षर के साथ ऑटोमेटिकली पक्षकारों का फोटो अटैच होने संबंधित प्रबंध भी सॉफ्टवेयर में किया गया है। संपदा 2.0 में चयनित दस्तावेजों के लिये फेसलेस पंजीयन का विकल्प भी उपलब्ध है। इसमें पंजीयन कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। दस्तावेजों के इलेक्ट्रॉनिकली प्रेजेन्टेशन एवं वर्चुअल फाइनल करने की सुविधा के साथ कार्यवाही के प्रमाणीकरण के लिये ओटीपी की सुविधा भी दी गई है। इसमें पंजीयन, रिटर्न, रिफ्यूजल की सुविधा भी इलेक्ट्रॉनिकली उपलब्ध है। यह पक्षकारों को वीडियो केवायसी से पंजीयन सुविधा भी देता है। इसमें दोनों मोड (असिस्?टेड एवं नॉन असिस्टेड) उपलब्ध है। पंजीकृत दस्तावेजों का केवल इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही संधारित किया जायेगा। संपदा 2.0 पोर्टल में पक्षकार स्वयं या सेवा प्रदाता के सहयोग से संपत्ति का पंजीयन कर सकता है। इसमें खरीदी या बेचे जाने वाली संपत्ति की पहचान संबंधित विभाग द्वारा प्रदत्त यूनिक आईडी तथा नक्शे पर चिन्हांकित संपत्ति से की जाती है। पक्षकारों की पहचान "आधार" बेस्ड ई-केवायसी से होती है। पोर्टल में चयनित दस्तावेज के आधार पर विलेख स्वतः तैयार होता है। विलेख के प्रारूप पर इलेक्ट्रॉनिकली सहमति के बाद शुल्क का ऑनलाइन भुगतान होता है। इसके बाद "आधार" बेस्ड ई-साईन या डिजिटल साइन के द्वारा ऑनलाइन ही दस्तावेजों का निष्पादन हो होता है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीकरण के लिये 3 विकल्प (पारंपरिक रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर, फेसलेस पंजीयन और रिमोट पंजीयन) उपलब्ध कराये गये है। पंजीयन के लिये सुविधा अनुसार कार्यालय में आने के लिये स्लॉट आरक्षित कर सकते है। फेसलेस और रिमोट पंजीयन में एआई आधारित वीडियो केवायसी से प्रत्येक पक्षकार की पहचान एवं लाइवलीनेस चेक किया जा सकता है। इसके द्वारा समस्त स्व-घोषणाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग होती है। इसमें भी नॉन असिस्टेड विकल्प की स्थिति में ऑनलाइन प्रेजेन्टेशन होता है। पंजीयन के लिये स्लॉट बुकिंग के लिये असिस्टेड विकल्प की स्थिति में वर्चुअल इंटरेक्शन के लिये स्लॉट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है। "लाभार्थियों ने साझा किये अपने अनुभव":पंजीयन विभाग की संपदा 2.0 लागू होने के बाद विभिन्न जिलों के लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए इसे सुविधाजनक बताया है।

वन नेशन वन इलेक्शनः लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती भरा कदम

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल लोकसभा में सोमवार यानी 16 दिसंबर को पेश नहीं किया जाएगा। इससे जुड़े दोनों बिल को लोकसभा की रिवाइज्ड लिस्ट से हटा दिया गया है। अब फाइनेंशियल बिजनेस पूरा होने के बाद बिल सदन में पेश किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि, सरकार बिल को आखिरी समय में भी लोकसभा स्पीकर की परमिशन के बाद सप्लीमेंट्री लिस्टिंग के जरिए सदन में पेश कर सकती है। कैबिनेट ने 12 दिसंबर को बिल की मंजूरी दी थी। लोकसभा में जब कभी एक देश एक चुनाव से संबंधित विधेयक पेश किया जाएगा, इस दिशा में देश एक कदम और बढ़ जाएगा। सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति को भेजने की मंशा व्यक्त करती रही है ताकि इस पर सांसदीय समिति के माध्यम से गंभीर मंथन और चिंतन हो सके। हालांकि एक देश एक चुनाव की दिशा में बढ़ते कदम में स्थानीय निकायों के चुनावों की प्रकिया बाकी है। उसका कारण है कि उस प्रस्ताव के विधेयक को विधानसभाओं से भी पारित करवाया जाना होगा। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते हैं तो भले ही कांग्रेस सहित विपक्ष विरोध कर रहे हों पर माना जाना चाहिए कि यह सही दिशा में बढ़ता कदम होगा। ऐसा नहीं है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए यह कोई नई बात हो बल्कि आजादी के समय से ही देश में एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया जाता रहा है। 1952, 1957, 1962 और 1967 के चुनाव इसके उदाहरण हैं। 1968 से विधानसभाओं को भंग करने का जो सिलसिला चला उसने पूरे हालात बदल दिए और उसके बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग-अलग होने लगे। अलग-अलग चुनावों के दुष्परिणाम अधिक सामने आते हैं। यह केवल चुनावों पर होने वाले सरकारी और गैर सरकारी खर्चों तक ही सीमित ना होकर अलग-अलग चुनाव एक नहीं अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होने से करीब एक साल तक चुनी हुई सरकार पंगु बन कर रह जाती है। इसको राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों के चुनावों से इस तरह से समझा जा सकता है। यह उदाहरण मात्र है और सभी प्रदेशों पर समान तरीके से लागू होता है। नवंबर-दिसंबर में राजस्थान की विधानसभा के चुनाव होते हैं। सरकार बनते ही प्राथमिकता तय कर पाती है तब तक बजट की तैयारी में जुटना पड़ता है क्योंकि अब फरवरी में ही बजट सेशन होने लगे हैं। मई-जून में लोकसभा के चुनाव के कारण अप्रैल से ही आचार संहित लगने की तलवार लटक जाती है और फिर करीब डेढ़ माह का समय आचार संहिता को समर्पित हो जाता है। इसके कुछ समय बाद या यों कहे कि परिवर्तित बजट से निपटते-निपटते सरकार के सामने स्थानीय निकायों व पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव का समय हो जाता है और उसके कारण लंबा समय इन चुनावों के कारण आचार संहिता के भेंट चढ़ जाता है। इस बीच में कोई-कोई ना कोई उप चुनाव आ जाते हैं तो उसका असर भी चुनी हुई सरकार को भुगतना पड़ता है। जैसे तैसे चौथा साल पूरा होने को होता है कि सरकार ताबड़तोड़ निर्णय करने लगती है और इनके क्रियान्वयन का समय आते-आते चुनाव आचार संहिता लग जाती है। इस तरह से एक बात तो साफ हो जाती है कि पांच साल के लिए चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार का कमोबेश एक साल का समय चुनाव आचार संहिताओं के भेंट चढ़ जाता है। यह तो केवल लोकतांत्रिक जनता द्वारा चुनी हुई सरकार के कार्यों के प्रभावित होने का एक उदाहरण मात्र है। अब अलग-अलग चुनाव होने से चुनाव पर होने वाले सरकारी और गैर सरकारी खर्चों पर भी ध्यान दिया जा सकता है। 1952 के पहले चुनाव में सरकारी व गैर सरकारी जिसमें राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वालों का खर्च भी शामिल है, वह करीब 10 करोड़ के आसपास रहा। 2010 के आम चुनाव में 10 हजार करोड़ रु. का व्यय माना जा रहा है जो 2019 में 55 हजार करोड़ और 2024 के आम चुनाव में एक लाख करोड़ को छू गया है। इसमें चुनाव आयोग, प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ ही राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों द्वारा होने वाला खर्च शामिल है। मोदी सरकार आने के बाद 2014 से एक देश एक चुनाव पर चर्चा का सिलसिला चल निकला था। 2017 में नीति आयोग ने इसे उपयुक्त बताया और 2018 में संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसे सही दिशा बताया। सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई और 65 बैठके कर 18626 पन्नों की रिपोर्ट इसी साल मार्च, 24 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पेश की गई। यदि इन सभी सिफारिशों को लागू किया जाता है तो 18 संसोधनों की आवश्यकता होगी। सरकार ने अभी एक हिस्से यानी कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की दिशा में कदम बढ़ाती दिख रही है। माना जा रहा है कि 2029 के चुनाव नई व्यवस्था यानी एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन से हो। इसके लिए चुनाव आयोग व सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी पर यदि एक बार यह सिलसिला चल निकलेगा तो इसे लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत ही माना जाएगा। राजनीतिक दलों द्वारा यह शंका व्यक्त की जा रही है कि इससे छोटे व स्थानीय दलों के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा। इसके साथ ही वोटिंग पेटर्न प्रभावित होगा। चुनाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के लिए मशीनरी भी अधिक लगाने की बात की जाती है तो खर्चे व आधारभूत सुविधाओं यथा ईवीएम मशीन, वीवीपेट मशीन, उनके रखरखाव सहित अन्य आवष्यक संसाधनों की आवश्यकताओं को लेकर भी शंका व्यक्त की जा रही हैं। जिस तरह चुनाव आयोग ने संसाधनों का आकलन कर अपनी आवश्यकताएं सरकार को बता दी हैं उससे लगता है कि चुनाव आयोग भी वन नेशन वन इलेक्शन के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह से तैयार है। 2029 के चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा 7951 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित किया गया है। राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों सहित अन्य खर्च अलग

होंगे। वन नेशन वन इलेक्शन के सकारात्मक पक्ष भी है और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। वन नेशन वन इलेक्शन हमारे देश के लिए कोई नई बात नहीं है, उसी तरह से दुनिया के अन्य देशों जर्मनी, जापान, दक्षिणी अफ्रीका, स्वीडन, इंडोनेशिया, फिलिपिंस आदि में भी एक साथ चुनाव होते रहे हैं। कोविंद कमेटी ने जर्मनी के चुनाव पैटर्न को बेहतर व अनुकरणीय भी माना है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि एक साथ चुनाव होने से संसाधन तो एक बार जुटाने होंगे पर उसके बाद व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। आजादी के 75 साल से भी अधिक समय हो जाने के बाद जिस तरह से मतदाताओं की उदासीनता देखी जा रही है वह निश्चित रूप से कम होगी। राजनीतिक दल भले आज विरोध कर रहे हैं पर एक साथ चुनाव से उन्हें भी कम मशक्कत व एक बार ही मशक्कत करनी होगी। प्रचार सामग्री से लेकर प्रचार अभियान को आसानी से संचालित किया जा सकेगा। योजनाबद्ध प्रयासों से विधानसभा व लोकसभा प्रत्याशियों का एक साथ प्रचार अभियान संचालित हो सकेगा जिससे अलग-अलग चुनाव होने से बार-बार होने वाले व्यय में कुछ हद तक राजनीतिक दलों को भी कम खर्च करना पड़ेगा। चुनी हुई सरकारों को बार-बार आचार संहिता के संकट से गुजरना नहीं पड़ेगा और सरकार को काम करने का अधिक समय मिल सकेगा। दोनों चुनाव एक साथ होने से भले ही पोलिंग बूथ अधिक बनाने पड़े, मशीनरी अधिक लगानी पड़े पर मतदाताओं और चुनाव कराने वाली मशीनरी के लिए भी सुविधाजनक होगा। एक बात यह भी कि असामाजिक तत्वों की गतिविधियां भी काफी हद तक कम हो सकेगी। इससे सरकारी संसाधनों की बचत, मानव संसाधन को बार बार नियोजित करने से होने वाले सरकारी कार्य में बाधा में बचत और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से बार-बार चुनाव के स्थान पर एक साथ चुनाव होने से खर्चों में भी कमी आएगी। देखा जाए तो वन नेशन वन इलेक्शन लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

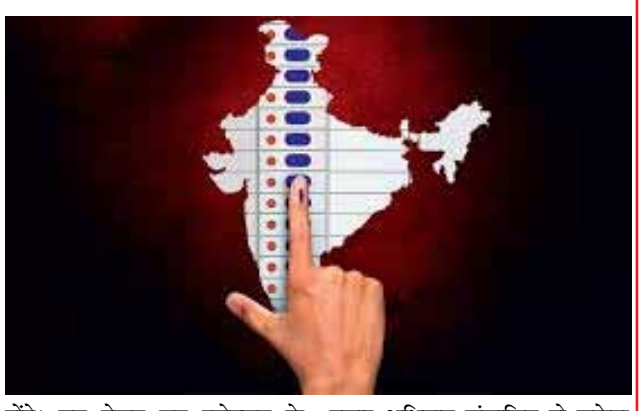

पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत का बचाव

अखिलेश आर्येन्दु

भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में पर्वत देवता के रूप में पूजे जाते रहे हैं, लेकिन पहाड़ों के बेतहाशा दोहन से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। हम भूल गए कि पहाड़ों के संरक्षण, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल के अनुसार 84 प्रतिशत स्थानीय पर्वतीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र दशक 2021-30 प्रकृति की गिरावट रोकना और वापस लाना दस साल की कोशिश है। जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर धरती, पर्वत और हवा पर पड़ा है। धरती तेजी से गर्म हो रही है। मौसम असंतुलित हो गया है। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा देखी जाने लगी हैं। पर्वतों का दोहन इतना अधिक किया गया कि दूसरी तमाम तरह की प्राकृतिक दुर्घटनाएं और समस्याएं आए दिन होने लगी हैं। पर्वतों के दोहन को बचाने और पर्वतों के महत्त्व को समझाने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवसÓ मनाने की घोषणा की। हर साल 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाए जाने का मकसद पर्वतों का संरक्षण, सुरक्षा और उनके दोहन को रोकना है। जाहिर है पर्वत और इंसान का रिश्ता बहुत पुराना है। उतना पुराना जितना मानव सभ्यता। धरती का 27 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ों से ढका हुआ है। दुनिया के पंद्रह प्रतिशत आबादी का घर पहाड़ हैं, और दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पाट की मेजबानी भी पहाड़ करते हैं। दुनिया की आधी आबादी के रोजमर्रा की जिंदगी बसर के लिए पानी उपलब्ध कराने का कार्य पहाड़ करते हैं। कृषि, बागवानी, पेय जल, स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति पहाड़ों के जरिए होती है। दुनिया के अस्सी प्रतिशत भोजन की आपूर्ति करने वाली बीस पौधों की प्रजातियों में से छह की उत्पत्ति और विविधता पहाड़ों से जुड़ी है। आलू, जौ, मक्का, टमाटर, ज्वार, सेब जैसे उपयोगी आहारों की उत्पत्ति पहाड़ हैं। हजारों नदियों के स्रेत पहाड़ हैं। भारत में नदियों को ही पूजा नहीं जाता, बल्कि अनेक पहाड़ों की पूजा भी की जाती है। तमाम चमत्कारिक घटनाएं पहाड़ों से जुड़ी हैं। तमाम तरह की सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पहाड़ों से जुड़ी हैं। इसलिए पहाड़ों का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। सृष्टि-उत्पत्ति के साथ सागर और पहाड़, दोनों मानवता के विकास के आधार रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नई सभ्यता और संस्कृति के साथ विज्ञान का विकास होता गया वैसे-वैसे पहाड़ और सागर, दोनों प्रदूषित किए जाने लगे। आज हालत यह हो गई है कि पहाड़ और सागर, दोनों का वैभव खत्म होता जा रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक जलवायु गर्म होती जा रही है, पर्वतीय ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे जैव विविधता पर ही असर नहीं पड़ रहा, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता और औषधियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते प्रदूषण की वजह से खतरे में है यानी दुनिया भर में पर्वतों को संरक्षण देने की जरूरत है। पर्वत हमारे लिए कितने उपयोगी हैं, इसे वह समुदाय सबसे ज्यादा जानता है जिसकी रोजमर्रा की जिंदगी की हर कवायद पर्वतों से जुड़ी है। यूं तो

पहाड़ों के संरक्षण को लेकर विश्व का ध्यान 1992 में गया जब पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ सम्मेलन में एजेंडा 21 के अध्याय 13 'नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन : सतत पर्वतीय विकासÓ पर जोर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाने से पिछले दस सालों में पर्वतीय पर्यटन तेजी से बढ़ा है लेकिन इसका नुकसान भी देखा गया है। पर्यटकों की लापरवाही से पर्यावरण का नुकसान हुआ और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ा है। पहाड़ी इलाकों के निवासियों को रोजगार जंगल और पहाड़ से मिलता है। खासकर महिलाओं के लिए पहाड़ किसी खेती से कम नहीं हैं। युवाओं के लिए पर्वतीय जैव विविधता का संबंध आज अधिक विसनीय है क्योंकि कलाकृतियों के संरक्षण, मूर्तिकला और बेहतर स्वास्थ्य पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण से ताल्लुक रखता है। आजीविका और प्राकृतिक आहार पहाड़ों से जितना अच्छा मिलता है, उतना शायद और कहीं से नहीं मिलता। ईंधन, औषधियों और लता वाली तरकारियां पहाड़ के दरे में उगती हैं। तमाम जीव-जंतुओं के आवास स्थल पहाड़ हैं। पहाड़ों के दोहन या क्षरण का मतलब जीव-जंतुओं, बहुमूल्य वनस्पतियों, औषधियों और खनिज-रत्नों से महरूम होना है। हिमाचल प्रदेश में 11-12 जिलों में कुदरत के कहर से पहाड़ का पोर-पोर धंस रहा है। असम, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी पहाड़ों के साथ खूब अनर्थ हुआ है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार, केंद्र सरकार, पर्यावरण संरक्षक और जनता को माफिया के खिलाफ आगे आना होगा। धरती पर रहने वाले हर इंसान का पहाड़ों से रिश्ता रहा है। पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत, तीनों का बचाव होगा।

मेष राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नये सामान की खरीदारी करेंगे।आज अपनी योग्यता और सामर्थ्य को पहचाने तथा समय क्ृ उचित सदुपयोग करेंगे ।

वृष राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे।आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ़ होगी।आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।आपके दाम्पत्य रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। आज सचेत रहने से समस्याओं को जल्दी सुलझा भी लेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपका हर काम को बहुत अधिक सोच-विचार कर करना आपको सफलता देगा। किसी मित्र की मदद से उलझे कार्य सुलझ जाएंगे। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए।समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि- आज आपका दिन सामान्य रहेगा।जीवनसाथी की सलाह व सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेंगे। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज तनाव और चिंता का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है इसलिए व्यर्थ की बातों पर ध्यान ना देकर आप योगा, मेडिटेशन पर ध्यान देंगे।

सिंह राशि- आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी।आप आसपास के लोगों के सहयोग से घरेलु कार्य पूरा करने में सफल होंगे।आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज कारोबारी दौड़भाग रहेगी। कुछ लोग आपको भ्रमित करने की कोशिश भी करेंगे। अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की उम्मीद है।आज आपका कोई नया दोस्त बनेगा, जिसके साथ लम्बे समय तक दोस्ती चलेगी।

कन्या राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा।आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपको यात्रा से लाभ होगा।आज किसी मुश्किल मुकाम को मेहनत और परिश्रम से हासिल कर लेंगे, सिर्फ हर किसी पर भरोसा ना करें और अपने काम से ही मतलब रखें। आज आत्म मनन करने से मानसिक और आत्मिक सुख-शांति का अनुभव होगा।

तुला राशि- आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियाँ लाया है। आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा।आज आपकी मेहनत व प्रयास के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। कुछ खास लोगों से मेलजोल होगा और किसी मांगलिक कार्य संबंधी योजना बनेगी।कुछ नया शुरू करने के लिए समय बहुत ही अनुकूल है। रुकी हुई पेमेंट मिल जाने से वित्तीय स्थिति में भी सुधार आएगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका काम करने का जुनून आपको निश्चित ही जल्द कोई उपलब्धि हासिल करवाएगा, लेकिन कोई भी बड़ा सौदा करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल अवश्य करें। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। कार्यस्थल पर काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। आज किसी खास निर्णय को लेकर कुछ दिक्कत आ सकती है, अनुभवी व्यक्ति की सलाह से उनका निवारण भी होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आज किसी भी कार्य को लेकर थोड़ी सी सतर्कता रखने से आप कई परेशानियों से बच सकते हैं। आज आप अपनी मेहनत और योग्यता से निश्चित ही सफलता हासिल करेंगे। किसी नई योजना पर भी कार्य शुरू होगा।

कुंभ राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा 7 आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने बजट का भी ध्यान रखें, क्योंकि खर्चों की स्थिति बढ़ती नजर आ रही है। सोसाइटी अथवा सामाजिक कार्यों में किसी के साथ बेवजह ना उलझे।

मीन राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा।अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। जीवन स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए परिवार जनों के साथ वार्तालाप रहेगा, साथ ही मीडिया अथवा संपर्क सूत्रों द्वारा नई-नई जानकारियां मिलेंगी जो कि फायदेमंद साबित होगी। पिछली कुछ समय से चल रही किसी समस्या का समाधान आज मिल सकता है।

शब्द पहेली - 8343

बाएँ से दाएँ

1. ओस की बूंदे (उर्दू-4)
3. आसमान, गगन-3
5. निम्न, जो स्तरीय न हो-4
8. रात्रि, निशा-2
10. सिलना, छाती
11. नश, नाड़ी-2
13. एक समाज सुधारक जिनके दोहे काफी प्रसिद्ध हैं-2
15. इसे आंखों में लगाते हैं-3
16. प्रभाव-3
17. समीप, पास, नजदीक-3
19. भगवान, खुदा-2
20. जानवर इसे खाते हैं-2
21. होंठ, अधर-2
23. लूटपाट, डाका-4
25. प्रकार-3
26. बेबस, लाचार-4

ऊपर से नीचे

1. चिंगारी, अंगारा-3
2. मस्ती में चूर-2
3. इज्जत, साख-2
4. तलवार (उर्दू-4)
6. रसदार, रस से भरा-3
7. मेहंदी, ऋषि कपूर की फिल्म-2
9. सब्जी, भाजी-4
13. कमी-3
14. अकबर के एक हिंदू सलाहकार-4
17. अचरज भरा कार्य-4
18. वायुसेना के एक विमान का नाम-3
20. चाहत, प्रेम-2
22. ऋतुराज, मौज-मस्ती-3
23. रास्ता, डगर-2
24. एक पेड़ जिसकी टहनी से दातुन करते हैं-3

शब्द पहेली -8342 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

राहुल को खरीदना ही नहीं चाहती थी आरसीबी

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) ने जब आईपीएल 2025 के लिए पिछले माह हुई नीलामी में के ए राहुल पर बोली नहीं लगायी थी तो सभी हैरान हो गये थे। वहीं अब ये खुलासा हुआ है कि आरसीबी की राहुल को खरीदने की कोई योजना ही नहीं थी। आईपीएल का 18वां सीजन 14 मार्च से 25 मई तक खेला जाएगा। मेगा नीलामी में आरसीबी ने अपनी पसंद के कई खिलाड़ी खरीदे हैं हालांकि, फ्रेंचाइजी के कुछ फैसलों से सभी हैरान भी हुए इसमें से एक था राहुल को न खरीदना। इसका कारण है कि नीलामी से पहले कहा जा रहा था कि राहुल को आरसीबी किसी भी कीमत में खरीदेगी। यहां तक कहा गया था कि आरसीबी राहुल को कप्तान भी बनाएगी पर बाद से ये सभी बातें गलत निकलीं। आरसीबी की जिन खिलाड़ियों को खरीदने की सूची सामने आई है। उससे सभी हैरान हैं। लिस्ट सामने आई है, जिसने सभी को चौंका दिया है. इस सूची में राहुल ही नहीं श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत जैसे बड़े खिलाड़ियों के नाम भी नहीं थे। इससे साफ है कि आरसीबी इन्हें नहीं चाहती थी। आरसीबी की सूची में स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का नाम जरूर था। इसके अलावा टीम की टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन को भी खरीदने की योजना थी। जिसमें वह सफल भी रही। इसके अलावा आरसीबी की सचूी में भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे। इसी वजह से उसने भुवी को मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके अलावा टी नटराजन, डेविड मिलर और जोश हेजलवुड भी उसकी योजना में शामिल थे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम-जोश हेजलवुड (12.50 करोड़ रुपये), फिल साल्ट (11.50 करोड़ रुपये), जितेश शर्मा (11 करोड़ रुपये), लियाम लिविंगस्टोन (8.75 करोड़ रुपये), रसिख सलाम (6 करोड़ रुपये), सुयश शर्मा (2.60 करोड़ रुपये), भुवनेश्वर कुमार (10.75 करोड़ रुपये), क्रुणाल पंड्या (5.75 करोड़ रुपये), टिम डेविड (3 करोड़ रुपये), जैकब बेथेल (2.60 करोड़ रुपये), नुवान तुषारा (1.60 करोड़ रुपये), रोमारियो शेफर्ड (1.50 करोड़ रुपये), स्वप्निल सिंह (50 लाख रुपये), मनोज भांडगे (30 लाख रुपये), देवदत्त पडिक्कल (2 करोड़ रुपये)), लुंगी एनगिडी (1 करोड़ रुपये), मोहित राठी (30 लाख रुपये), अभिनंदन सिंह (रुपये) 30 लाख), स्वास्तिक चिकारा (30 लाख रुपये) **रिटेन - विराट कोहली, यश दयाल, रजत पाटीदार**

ऋषभ को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल

- मुखौटे पहने नजर आये प्रशंसक

गाबा। भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर ऑस्ट्रेलिया में भी दीवानगी का माहौल है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि दोनो टीमों के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लिए पहुंचे प्रशंसक ऋषभ के मुखौटे पहने नजर आये। ये प्रशंसक ढोल की थाप पर नाचते दिखे। बारिश के कारण भले ही खेल नहीं हो पाया पर ऋषभ के प्रशंसक जमे रहे। ये प्रशंसक इस भारतीय क्रिकेटर के नाम के मुखौटे पहने हुए थे। वह उनके नाम के नारे लगा रहे थे तो कई ढोल की थाम पर नाचते हुए भी दिखे। गाबा को वैसे भी साल 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऋषभ की आक्रामक पारी के लिए याद किया जाता है। इस स्थल पर वापस आने के बारे में बात करते हुए इस क्रिकेटर ने भी पिछले दिनों कहा था कि उन्हें यहां आकर बेहद खुशी हुई और वह सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए थे क्योंकि इस स्थल की उन्हें कुछ शानदार यादें हैं। प्रशंसकों ने इस युवा क्रिकेटर का गर्मजोशी से स्वागत किया और उसे समर्थन में नारे लगाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इसी मैदान पर इस क्रिकेटर ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारी खेली थी। टीम इंडिया को उसे मैच में 407 रन का लक्ष्य मिला था। तब ऋषभ ने 97 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

पीसीबी को आईसीसी की लुभावने पेशकश से फायदा नहीं होगा : बासित अली

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने पीसीबी पर निशाना साधा है। बासित ने कहा कि जिस प्रकार से पीसीब नेअंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) के दबाब में समझौता किया है वह भविष्य के लिए नुकसानदेह साबित होगा। इससे पीसीबी को कोई लाभ होने वाला नहीं है। बासित ने कहा कि आईसीसी ने पीसीबी को जिस प्रकार से लुभावनी पेशकश देकर अपनी बात मनवाई वह फायदेमंद साबित नहीं होगी। बासित ने ये बात 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप से जुड़े मेजबानी अधिकारों और राजस्व में होने वाले नुकसान के वित्तीय मुआवजे को लेकर कही है।

गौरतलब है कि आईसीसी और पीसीबी कथित तौर पर 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए एक हाइब्रिड मॉडल पर सहमत हुए हैं, जिससे भारत अपने मैच पाकिस्तान के बजाय दुबई में खेल सकेगा। वहीं पीसीबी को कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। इस समझौते के तहत पाकिस्तान को 2026 टी20 विश्व कप में अपने लीग चरण के मैचों के लिए के लिए भारत की यात्रा नहीं करनी होगी और वह ये मुकाबले श्रीलंका में खेल सकेगा। आईसीसी ने पाकिस्तान को 2027 के बाद महिला विश्व कप की मेजबानी का अधिकार देने का वादा किया है। इसी को लेकर बासित ने कहा कि अब यह कहा जा रहा है कि 2027 या 2028 में महिला विश्व कप पाकिस्तान को दिया जाएगा। हर कोई कहेगा कि पाक को दो आईसीसी टूर्नामेंटों की मेजबानी मिलेगी। जिससे कि 2026 में पाकिस्तान की टीम भारत का दौरा करेगी और फिर भारतीय महिला टीम पाकिस्तान आएगी पर इससे इससे प्रसारकों को कोई नुकसान नहीं होगा। बासित ने कहा कि महिला विश्व कप या अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी से पीसीबी को कोई फायदा नहीं होगा। अगर पीसीबी इस पेशकश को स्वीकार कर लेता है तो उन्हें नुकसान होगा।

गिलेस्पी की लगातार उपेक्षा कर रहा था पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच का पद छोड़ने वाले जैसन गिलेस्पी ने अब इसके कारणों का खुलासा किया है। गिलेस्पी ने कहा कि पाक बोर्ड उनकी लगातार उपेक्षाकर रहा था यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम के चयन में उनसे सलाह नहीं ली गयी थी। पीसीबी के कुछ अधिकारियों ने गिलेस्पी के लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर दी थी। उन्हें टीम से जुड़े अधिकांश फैसलों से अलग-थलग कर दिया गया था। उनके अनुरोध के बाद भी बोर्ड ने हाई परफार्मेंस कोच टिम नीलसन के करार को आगे नहीं बढ़ाया था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम के चयन में भी उनकी भूमिका नहीं थी। गिलेस्पी इस बात से भी नाराज थे कि नीलसन का करार आगे नहीं बढाया गया है। बोर्ड ने सीमित ओवरों के प्रारूप के अंतरिम कोच और सीनियर चयनकर्ता आकिब जावेद की सिफारिश पर उनकी जगह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से शाहिद इस्लाम को सहयोगी स्टाफ के रुप में रखा। गिलेस्पी से पहले सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी के खराब रवैये के कारण पद छोड़ना पड़ा था।

गाबा टेस्ट ड्रॉ भी हुआ तो भी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में नहीं आयेगा बदलाव

गाबा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बारिश के कारण खेल कुछ ही ओवर हो पाया। यहां जिस प्रकार के हालात हैं उसमें आगे भी बारिश होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो ये मैच ड्रॉ होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।अगर यह मैच ड्रॉ हुआ तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका पर किस प्रकार का प्रभाव होता है ये सवाल सभी के मन में उठ रहे हैं। डब्ल्यूटीसी अंत तालिका में अभी दक्षिण अफ्रीका 63.33 अंक प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया (60.71) अंक प्रतिशत के साथ दूसरे और भारतीय टीम 57.29 अंक प्रतिशत के साथ ही तीसरे नंबर पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद श्रीलंका 45.45 अंक प्रतिशत के साथ ही चौथे नंबर पर है। वहीं अगर गाबा टेस्ट मैच ड्रॉ हो जाता है तो भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के अंक जरुर घट जाएंगे पर अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आएगा। मैच ड्रॉ होने पर ऑस्ट्रेलिया के अंक प्रतिशत 60.71 से घटकर 58.89 रह जाएंगे। वहीं भारतीय टीम के अंक प्रतिशत 57.29 से कम होकर 55.88 पर फिसल जाएंगे पर दोनों टीमों की रैंकिंग नहीं बदलेगी। ऑस्ट्रेलिया पहले की तरह दूसरे और भारतीय टीम तीसरे नंबर पर बनी रहेगी। वहीं इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका पहले और श्रीलंका चौथे नंबर पर बरकरार रहेगी। न्यूजीलैंड 45.24 अंक प्रतिशत के साथ ही पांचवें नंबर पर है।

व्यापार

फेड के ब्याज दर पर, थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई। बीते सप्ताह आधा फीसदी चढ़े घरेलू शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा आगे के संकेतकों के लिए निवेशक वैश्विक रुझान पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय शेयर बाजार का भविष्य का रुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगा। वैश्विक रुझान, विशेष रूप से अमेरिकी बाजारों का प्रदर्शन और फेडरल रिजर्व का नीतिगत निर्णय, इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार की धारणा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों का प्रवाह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार भागीदारों की निगाह रहेगी। घरेलू व्यापक आर्थिक आंकड़ों की बात करें तो सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर सभी की नजर रहेगी। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह बाजार की निगाह अमेरिकी केंद्रीय बैंक की बैठक पर रहेगी। फेडरल रिजर्व प्रमुख नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगा, बाजार इस बात को पहले ही मानकर चल रहा है। भविष्य में नीतिगत दर को लेकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक की टिप्पणी भी महत्वपूर्ण होगी। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 623.07 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.5 अंक के लाभ में रहा। एक विश्लेषक ने कहा कि कहा कि निवेशकों की निगाह घरेलू मोर्चे पर सोमवार को जारी होने वाले थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी रहेगी।

इस सप्ताह चार कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, 12 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में चार कंपनियां अपने आईपीओ के जरिए प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने वाली हैं। इनमें से दो कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 12 और 13 दिसंबर को लॉन्च हुए चार आईपीओ में भी निवेशक इस सप्ताह 16 और 17 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे। इस सप्ताह 12 कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो सकते हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 17 दिसंबर को एनएसीडीएसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का 10.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 19 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 33 से 35 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 4,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 24 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के तीसरे कारोबार के दिन 18 दिसंबर को आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियो का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 20 दिसंबर को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 से 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 26 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के चौथे कारोबार के दिन 19 दिसंबर को ममता मशीनरी लिमिटेड का 179.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 23 दिसंबर को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 230 से 243 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 61 शेयर का है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी दिन ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। ये आईपीओ 23 दिसंबर को बंद होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं किया गया है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को ही बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस सप्ताह इन चार आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 12 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यश हाई वोल्टेज लिमिटेड और एनवेंचरस नॉलेज सॉल्यूशंस के आईपीओ में 16 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इनमें से एनवेंचरस नॉलेज सॉल्यूशंस के शेयर 19 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे, जबकि यश हाई वोल्टेज लिमिटेड के शेयर 19 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह पिछले सप्ताह 13 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट और हैम्प्स बायो लिमिटेड के आईपीओ में 17 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट कैशियर बीएसई और एनएसई पर 20 दिसंबर को लिस्ट होंगे। इसी दिन हैम्प्स बायो लिमिटेड के शेयर बीएससी के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। कल से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान 12 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करने जा रहे हैं। इनमें कल 16 दिसंबर को धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन 17 दिसंबर को टॉस द कॉइन और जंगल कैंप्स इंडिया के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 18 दिसंबर को मोबिक्विक, साई लाइफ साइंसेज और विशाल मेगा मार्ट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

2025 में सोने की कीमतों के लिए मिश्रित संभावनाएं, चुनौती और अवसर

वर्तमान में सोना 76,000-78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब

नई दिल्ली। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 2025 में सोने के बाजार में मिश्रित संभावनाएं और चुनौतियां हो सकती हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सोने की कीमतों में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन इसमें केंद्रीय बैंक की नीतियां, राजनीतिक तनाव, उपभोक्ता मांग, और निवेशकों की चाह सहित कई अन्य कारक भी शामिल हैं। जीडीपी, बॉन्ड प्रतिफल, और मुद्रास्फीति जैसे आर्थिक कारक सोने की कीमतों के मजबूत रहने की संकेत दे रहे हैं, लेकिन बाजार में अभी भी जोखिम है। वर्तमान में सोने की कीमत 76,000-78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच की है। एलकेपी सिक्योरिटीज के एक विशेषज्ञ ने बताया कि अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के संकेत और मुनाफावसूली की वजह से सोने की कीमतों में गिरावट आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की परिभाषा में भी सोने के बाजार में महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। ट्रंप के व्यवसाय समर्थक एजेंडे से घरेलू भावना में सुधार की उम्मीद है, लेकिन वैश्विक निवेशक मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन के मुद्दों से चिंतित हैं। नीतियों में कटौती की उम्मीद है, जो सोने को समर्थन दे सकतीहै, लेकिन चुनौतियों का सामना भी हो सकता है। भारत और चीन के संकेत सोने की कीमतों पर भी प्रभाव डाल सकते हैं। चीन में आर्थिक विकास और सरकारी उत्साह उपभोक्ता मांग पर असर डाल सकते हैं, जबकि भारत में आर्थिक निरंतरता और वित्तीय स्थिरता सोने की कीमतों में लचीलापन ला सकती है। सामग्री में 2025 में सोने की कीमतों में सामान्यतः स्थिरता का अनुमान लिया जा रहा है और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी से इसे एक स्थिर आधार पर लाने की आशा है।

जनवरी से नवंबर तक यूपीआई से लेन-देन का नया रिकॉर्ड

15,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, 223 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) द्वारा होने वाली लेन-देन का आंकड़ा नए रिकॉर्ड लेकर आया है। वित्त मंत्रालय ने जारी किया एक बड़ा घोषणापत्र, जिसमें बताया गया कि जनवरी से नवंबर-2024 तक यूपीआई के जरिए कुल 15,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए हैं। इस अवधि में ये रेकॉर्ड करोड़ों रुपए की राशि को सुरक्षित और आसान बनाने में सहायक हुआ है। यूपीआई का उपयोग सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि 7 अन्य देशों में भी हो रहा है। यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस ने यूपीआई की योग्यता को महसूस किया है। एनपीसीआई के अनुसार, नवंबर महीने में अद्वितीय 1548 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए थे, जिसमें 21.55 लाख करोड़ रुपए की राशि शामिल थी। नवंबर 2024 में यूपीआई ने औसतन 51 करोड़ 60 लाख ट्रांजैक्शन किए, जिसमें हर दिन 71,840 करोड़ रुपए की भुगतान की गई। ये आंकड़े अक्टूबर-2024 के रिकॉर्ड से थोड़े कम हैं, जब तब एनपीसीआई ने सबसे अधिक 1,658 करोड़ ट्रांजैक्शन किए थे। यूपीआई ने वित्तीय समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होकर दिखाया है और आगे भी इसका उपयोग बढ़ने की संभावना है।

स्विगी ने सीन्स सर्विस लॉन्च की

अपकमिंग इवेंट्स की टिकट बुक कर सकेंगे

मुंबई। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने अपनी सेवाओं में एक नई स्कीम जोड़ी है जिसका नाम है सीन्स, इस सर्विस के तहत उपयोगकर्ता इवेंट और टिकट बुक कर सकेंगे। स्विगी ने अपने डाइन-आउट सेक्शन में इस सर्विस को शामिल किया है और मुंबई और बैंगलोर में इसका लॉन्च किया गया है। यह सर्विस अन्य शहरों में भी जल्द ही उपलब्ध होगी। स्विगी के सीन्स के माध्यम से उपयोगकर्ता क्रिसमस, नया साल, लाइव प्रोग्राम और डीजे नाइट्स जैसे इवेंट्स के टिकट बुक कर सकेंगे। व्यापार बढ़ाने के लिए स्विगी इवेंट और टिकटिंग कारोबार में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है। इसी बीच जोमैटो की तरह स्विगी भी नए एप्लिकेशन डिस्ट्रिक्ट के साथ मुकाबला कर रही है। डिस्ट्रिक्ट एप में मूवी, स्पोर्ट्स, इवेंट्स और रेस्टोरेंट्स के टेबल बुक करने की सुविधा दी जा रही है। हालांकि, स्विगी की सीन्स में मूवी टिकट बुक करने की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस दौरान स्विगी की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 626 करोड़ का नुकसान दर्ज किया है। कंपनी के रेवेन्यू में बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन घाटे में कमी भी दिख रही है। स्विगी ने अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार किया है, जबकि जोमैटो की तुलना में कंपनी के घाटे में कमी आई है। ये विकास स्विगी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

नॉन-हॉलिडे पर भी पुष्पाराज का क्रेज, दंगल-स्त्री 2 को शिकस्त देने की तैयारी में पुष्पा 2

अल्लू अर्जुन-रश्मिका मंदाना की एक्शन फिल्म पुष्पा 2-द रूल बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही हैं. पुष्पा 2 ने हिंदी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है. यह लगातार हिंदी सिनेमा में नए-नए रिकॉर्ड कायम कर रही है. मंगलवार को फिल्म के कलेक्शन में एक और रिकॉर्ड तोड़ दिन देखने को मिला है. इससे पहले, इस फिल्म ने हिंदी में सबसे बड़ा नॉन-हॉलिडे फर्स्ट मंडे 46 करोड़ से ज्यादा नेट के साथ जीता था और मंगलवार को इसमें 20 प्रतिशत से कम की गिरावट देखी गई है जो एक शानदार पकड़ है. वहीं, वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 900 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है. शुरुआती अनुमानों के अनुसार, पुष्पा 2 ने हिंदी में अपने पहले मंगलवार यानी रिलीज के छठे दिन 38 करोड़ नेट कलेक्शन की रेंज बनाई है, जिससे 6 दिनों में कुल हिंदी नेट कलेक्शन 370 करोड़ से ज्यादा हो गया है. इसके साथ ही, यह शाहरुख खान की फिल्म जवान, जिसका नेट कलेक्शन 351 करोड़ रुपये था. को पछाड़ते हुए हिंदी में सबसे ज्यादा फर्स्ट वीक ग्रॉसर बन गई है. ट्रेड एनालिस्ट के शुरुआती रुझानों के मुताबिक, यह मास एक्शन फिल्म हिंदी में बहुत जल्द आमिर खान की दंगल के लाइफटाइम बिजनेस को पार करने के लिए तैयार है और फिर यह 500 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो जाएगी. इसके बाद पुष्पा 2 की नजर स्त्री 2 (585 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड तोडने पर होगी और 600 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होकर हिंदी में अब तक की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म बनने के लिए तैयारी करेगी. पुष्पा 2 ने ना सिर्फ हिंदी में बल्कि भारत में सभी भाषाओं में भी अच्छी कमाई की है. पहले मंगलवार को फिल्म ने 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है. नॉन हॉलिडे पर यह आंकड़ा पार करना एक नई उपल्बधि है. सैकनिल्क के अनुसार, पुष्पा 2 भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं में 52.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसी के साथ अल्लू अर्जुन की नई फिल्म ने एक बार फिर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल (34.02 करोड़ रुपये) और पीछे छोड़ दिया है. हालांकि पुष्पा 2 सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 (43.5 करोड़ रुपये) और गदर 2 (55.4 करोड़ रुपये) को मात देने में असफल रही है. सुकुमार की निर्देशित फिल्म पुष्पा 2 ने दुनियाभर में 900 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म के कलेक्शन ग्राफ में मामूली गिरावट के बावजूद इसने वैश्वित स्तर पर 922 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. इसी के साथ पुष्पा 2 भारतीय सिनेमा में रिकॉर्ड तोडने वाली फिल्म बनकर उभरी है और 900 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली सबसे तेज फिल्म बनी है.

वरुण धवन की भेड़िया के सीक्वल में नजर आएंगी श्रद्धा कपूर? अभिनेत्री ने बताया

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को पिछली बार फिल्म स्त्री 2 में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह साल 2024 की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है।अब श्रद्धा ने अपनी आगामी परियोजनाओं पर खुलकर बात की है।इसके साथ उन्होंने बताया कि क्या वह वरुण धवन की फिल्म भेडिया के सीक्वल भेडिया 2 में नजर आएंगी या नहीं। श्रद्धा ने कहा, यह केवल समय ही बताएगा कि क्या मैडॉक की किसी अन्य फिल्म में मैरा कोई कैमियो आता है या नहीं। मुझे अभी तक पता नहीं है, लेकिन बहुत जल्द मैं उन फिल्मों के बारे में बताऊंगी, जो मैं करने वाली हैं। इन फिल्मों की शूटिंग मैं अगले साल करूंगी।बता दें कि श्रद्धा साल 2022 में आई फिल्म भेडिया के खास गाने ठुमकेश्वरी में नजर आई थीं। श्रद्धा के प्रशंसक उनकी नई फिल्म की राह देख रहे हैं। हालांकि, उनका नाम तो अब तक कई फिल्मों से जुड़ चुका है, लेकिन किसी पर भी मोहर नहीं लगी थी।खबर है कि श्रद्धा फिल्म नागिन में नजर आएंगी, जिसके निर्देशन की कमान निखिल आडवाणी ने संभाली है। फिल्म की कहानी लिखी जा चुकी है।बता दें कि नागिन पुरानी मान्यताओं पर आधारित होगी। इसका फिल्मांकन बिल्कुल जुदा अंदाज में होगा। फिल्म में जबरदस्त वीएफएक्स देखने को मिलेंगे।

सलमान खान फिर करेंगे साउथ का रुख, चिरंजीवी के बाद अब मिली राम चरण की फिल्म

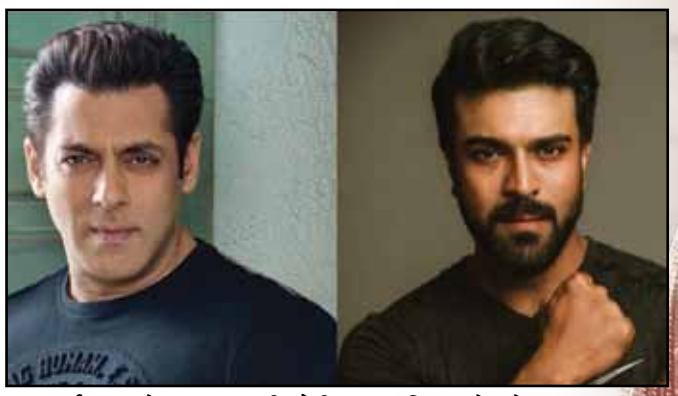

अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ समय से अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे।अब सिकंदर की रिलीज से पहले सलमान की अन्य फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है।दरअसल, खबर है कि वह साउथ के सुपरस्टार राम चरण की आने वाली फिल्म आरसी16 में नजर आ सकते हैं।आइए जानते हैं क्या कुछ जानकारी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान फिल्म आरसी16 में मेहमान (कैमियो) की भूमिका में नजर आ सकते हैं। निर्माताओं ने अभिनेता को फिल्म में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है।इससे पहले वह राम चरण के पिता और अभिनेता चिरंजीवी की फिल्म गॉडफादर में कैमियो कर चुके हैं।इसके अलावा सलमान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में भी राम चरण ने फिल्म येंतम्मा में डांस किया था। आरसी16 (अस्थाई नाम) में राम चरण की जोड़ी अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।बुच्ची बाबू फिल्म के निर्देशक हैं। इस फिल्म में मुन्ना भैया उर्फ दिव्येंदु शर्मा की एंट्री हो चुकी है। फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।इसके अलावा राम चरण फिल्म गेम चेंजर में नजर आएंगे। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अली फजल-ऋचा चड्ढा की गर्ल्स विल बी गर्ल्स की रिलीज डेट आई सामने, 18 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी फिल्म

ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी पहली फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स बहुत जल्द रिलीज के लिए तैयार है. ये फिल्म, दर्शकों को सपनों, उम्मीदों, इमोशनल स्ट्रगल्स और उम्र के आने वाले पलों के रोलरकोस्टर पर ले जाती है. ये फिल्म ऋचा चड्ढा और अली फजल की पुशिंग बटन्स स्टूडियो की पहली प्रोडक्शन है. गर्ल्स विल बी गर्ल्स की रिलीज डेट सामने आ गई है. फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है. नवोदित कलाकार प्रीति पाणिग्रही, केसव बिनॉय किरण और कानी कुसरुति स्टारर ये फिल्म 18 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी. गर्ल्स विल बी गर्ल्स को शुचि तलाती ने लिखा है जो की उनकी फीचर फिल्म डायरेक्शन की पहली फिल्म है. फिल्म एक इंडो-फ्रेंच जॉइंट प्रोडक्शन, पॉपुलर एडल्ट ड्रामा को पुशिंग बटन्स स्टूडियो, डोल्से वीटा फिल्म्स और क्रॉलिंग एंगल फिल्म्स के बैनर तले ऋचा चड्ढा, क्लेयर चेसगैन, शुचि तलाटी और अली फजल ने मिलकर प्रोड्यूस किया है. गर्ल्स विल बी गर्ल्स की को-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा ने बताया- गर्ल्स विल बी गर्ल्स एक ऐसी फिल्म है जो एडल्ट्स के कच्चे और सर्टिफाइड एक्सपीरियंस को दिखाती है, जो एडल्ट होने की चुनौतियों की खोज करते हुए टीनएजर्स की विद्रोही भावना को दिखाती है, जहां जेनरेशन गैप होता है और आजादी के लिए स्ट्रगल आम बात है. हम इस बात से डिलाइडेट हैं कि हमारे ड्रीम प्रोजेक्ट का विषय दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आया है. गर्ल्स विल बी गर्ल्स का सनडांस फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हिआ था, जहां इसने दो अवॉर्ड जीते. इनमें से एक वर्ल्ड सिनेमा ड्रामेटिक कैटेगिरी में द ऑडियंस अवार्ड था. दूसरा स्पेशल जूरी अवॉर्ड, लॉस एंजिल्स में इंडियन फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड जूरी अवॉर्ड, जकार्ता इंटरनेशनल फेस्टिवल और बियारिट्ज़ फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म और ट्रांसिल्वेनिया ट्रॉफी शामिल हैं. फिल्म को ममी में चार अवॉर्ड भी मिले. इसके अलावा गर्ल्स विल बी गर्ल्स की कान्स, टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी स्क्रीनिंग हुई थी.

उर्फी जावेद ने एक ब्रांड पर लगाए बदतमीजी के आरोप

मुंबई। 27 साल की एक्ट्रेस उर्फी जावेद एक बार फिर खबरों में हैं, लेकिन इस बार उनके किसी आउटफिट ने लोगों का ध्यान नहीं खींचा है, बल्कि वो एक ब्रांड के साथ विवादों में घिर गई हैं। उर्फी जावेद ने टूथपेस्ट और ब्रश के एक ब्रांड पर उनके साथ बदतमीजी करने के आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने सोशल मीडिया पर ब्रांड के पीओसी (वो इंसान जिसके साथ शूट के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया जाता है) के साथ अपनी बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने सारी हदें पार कर दी। उन्होंने ब्रांड की तरफ से आए ईमेल का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है.एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए पोस्ट में देखा जा सकता है कि ब्रांड की तरफ से उन्हें एक एड फिल्म के लिए अप्रोच किया गया। ब्रांड के लोग उर्फी से कहते हैं कि उनके पास एक्ट्रेस के लिए एक स्क्रिप्ट है, लेकिन क्या वो एड के लिए स्क्रीन पर स्ट्रिप कर सकती हैं। इस सवाल पर उर्फी जावेद का गुस्सा फूट पड़ा। इस सवाल के साथ उन्होंने स्क्रीन शॉट शेयर करते हुए लिखा कि इस बार इस ब्रांड ने सारी हदें पार कर दीं। वो आगे लिखती हैं, 'इस ब्रांड ने सारी लाइन क्रॉस कर दी। इतने सालों के एक्सपीरीयंस के बावजूद आजतक ऐसा कोई ब्रांड नहीं मिला है जिसने इस तरह की कोई हरकत की हो। मेरे साथ आजतक इतना गंदा अनुभव नहीं हुआ'। उर्फी जावेद के आरोपों के बाद ब्रांड ने भी सामने आकर अपनी सफाई पेश की।उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'कल एक पब्लिक फिगर ने अपने सोशल मीडिया पर कई स्क्रीनशॉट शेयर किए।हम इस बात को साफ कर देना चाहते हैं कि कभी भी हमारा मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। हम सिर्फ उनके साथ कोलैब्रोरेट करना चाहते थे।हम इन बातों पर तुरंत जवाब देना चाहते हैं, लेकिन हम कल 12-12-2024 को अपना पक्ष रखेंगे।' बता दें कि उर्फी जावेद आए दिन खबरों में बनी रहती हैं। वो कभी अतरंगी फैशन सेंस तो कभी किसी ना किसी विवाद के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं।

Punjab Police busted terrorist module, grenade, pistol, drone recovered, 10 youths arrested

Amritsar: In its drive to make Punjab a safe state, the Commissionerate Police (CP) Amritsar has averted a potential grenade attack on police department in Batala area by arresting 10 persons including 4 main handlers of cross border terror module operated by Pakistan based Harvinder Rinda and foreign based Happy Pasian, Jeevan Fauji and Jashanpreet Singh Lal. Giving this information here today, Punjab Police Director General (DGP) Gaurav Yadav said that the four main criminals arrested have been identified as Arjunpreet Singh resident of Awan Ramdas, Amritsar; Lovepreet Singh @ Love resident of Perewal, Amritsar; Basant Singh and Amanpreet Singh @ Aman both residents of Baba Bakala Sahib, Amritsar. Besides, six handlers who provided logistic support have also been identified which include Barinderpal Singh @ Mani and Rajbir Singh @ Raju both residents of Kateel, Amritsar; Vishwas Masih @ Bhambo resident of Bhaganpura, Amritsar; They include Dilpreet Singh alias Manna, Harjot Kumar alias Meetu and Joel Masih alias Rohan alias Noni, all three residents of Dera Baba Nanak, Batala. DGP Gaurav Yadav said that the police teams have also recovered two .30 bore and one .32 bore pistols, a hand grenade and a drone from their possession. He said

that further investigation is going on in this case to find out other links behind it.

CP Amritsar Gurpreet Singh Bhullar informed that acting on credible information received about the activities of the module, Amritsar Commissionerate arrested all the accused from various areas including Amritsar Rural, Batala and Ramdas area of Amritsar city.

He informed that these recoveries have been made from village Khana Chamara of Dera Baba Nanak, village Awan of Ramdas and Valla area of Amritsar city. The CP informed that with the arrest of both the accused Basant Singh and Amanpreet Singh alias Aman, Amritsar Commissionerate Police has also solved the case of attack on the residence of police officer in Batala on November 28, 2024. He said that the police teams

have also identified the second main operator of this module and police teams are conducting raids to nab him.

In this regard, a case vide FIR No. 191 dated 03.12.2024 has been registered at Police Station Cantonment, Amritsar under Sections 111(1), 111(2), 111(3), 111(4), 249 and 253 of the Indian Penal Code (BNS), Sections 13, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA) and Sections 25(6) and 25(7) of the Arms Act.

Varun Dhawan met Amit Shah in Delhi

Mumbai: Bollywood star Varun Dhawan is busy promoting his upcoming film Baby John. The actor met Union Home Minister Amit Shah during his visit to the national capital. Varun Dhawan has shared a picture of himself with Amit Shah on the social media platform Instagram. In which both of them can be seen smiling. Varun wrote for Amit Shah, in front of him we all are babies. Varun expressed his gratitude after meeting Amit Shah. He said, I am very happy to meet Union Home Minister Amit Shah in Delhi. Varun Dhawan met Amit Shah at an event in Delhi, where he asked an interesting question; What is the biggest difference between Ram and Ravan? Amit Shah said that the main difference between Ram and Ravana lies in their different ways of fulfilling their duties or dharma. He explained that for people like Ram, their personal interests are guided by their sense of duty, while others like Ravana give priority to selfishness over their responsibilities. Baby John is an action thriller film directed by Kallis. It is a Hindi adaptation of Atlee's 2016 Tamil blockbuster film Theri. The film stars Varun Dhawan in the lead role. He is accompanied by Keerthy Suresh, Vamika Gabbi, Zara Jyana and Jackie Shroff in the film.

'One Nation, One Election' bill will not be presented on Monday

New Delhi: The 'One Nation, One Election' bill will not be presented in the Lok Sabha on Monday. This bill is not even listed in the revised table of the Lok Sabha. A copy of this bill has been sent to all the MPs of the Lok Sabha, so that they can study it. The winter session of Parliament is till December 20. If this bill is not introduced in the Lok Sabha on Monday, then only four days will be left for its introduction. This bill was approved in the cabinet meeting chaired by Prime Minister Narendra Modi on 12 December. The cabinet approved two draft laws. One of these Constitution Amendment Bills is related to holding simultaneous elections of Lok Sabha and state assemblies, while the other bill is related to holding simultaneous elections of three union territories with assemblies. At the same time, different reactions are being seen in the political corridors regarding One Nation One Election. Some are supporting it, while others are opposing it. BJP leader and Union Textiles Minister Giriraj Singh had advocated One Nation One Election in a conversation with IANS. He had said, one country, one election is in the interest of the country. This will not hinder development. Expenses will be reduced and money will be saved. If we look till 1967, one country, one election was being held in the country and at that time there was no impact on the federal structure. It is wrong to say that the federal structure is being affected. In fact, this will make the country stronger and will accelerate development. If there are some changes, they will be according to the law and people will give their opinion on it. Meanwhile, Maharashtra Congress leader Hussain Dalwai had told IANS, "This will be harmful because our country has a federal structure. Historically, India was never integrated as a single entity. It came together during the British period and through the efforts of Mahatma Gandhi's movement, this should be remembered. The language and culture of every region is different. In the mind of the Center, One Nation-One Election means one party rule. The central government wants to bring one party rule here. But I want to say that they will not be able to bring it. It has no place in the Constitution. People will not accept One Nation-One Election."

Large scale electricity theft was detected in mosques and houses in Sambhal

Sambhal: A big case of electricity theft has come to light in a joint operation by the administration and police in Sambhal, Uttar Pradesh. On Saturday, the District Magistrate and Superintendent of Police together caught the network of electricity theft. The officials have taken a strict stand after finding illegal connections on rooftops and at religious places. DM Rajendra Pansia said that he had come to Sambhal with the Superintendent of Police to inspect the loudspeakers. The DM said that we had come in the morning to inspect the loudspeakers. Many have also been shut down. An arrest was also made yesterday (Friday). Electricity theft has been detected in many houses, madrasas and mosques. Electricity theft has been detected in about 250 to

300 houses. An illegal power house was built on a rooftop and power was being supplied to the people. FIR will be lodged against all those on whose roads illegal electricity was detected. The officer said that this action will continue until Sambhal is free from electricity theft. Superintendent of Police Krishna Kumar said that on Saturday morning, loudspeakers were being checked in Sambhal, during which it was discovered that the entire neighborhood was being supplied electricity through illegal connections. When the electricity department team checked, it was found that there were more than 100 illegal connections. Cases will be filed against all. The electricity department is working to prevent electricity theft worth crores. Currently, different types of wires have been found in four mosques. Illegal electricity was being supplied by making a power house from the entire minaret. During this action, the DM and SP called the electricity department team and got the illegal connections on the roofs and electricity poles checked. During the investigation, illegal illegal connections were found at many places, through which electricity was being stolen on a large scale. The electricity workers climbed the roofs and detected the illegal connections with the help of torches. The administration took this illegal activity seriously and got the illegal connections removed along with the electricity department team and assured further action. The DM said that this type of theft was not only causing loss to the government revenue but was also putting additional pressure on the power supply in the area.

Sadhus and saints got angry on Rahul Gandhi's statement

Ayodhya: In Lok Sabha, opposition leader Rahul Gandhi surrounded the BJP government by telling the story of Eklavya-Dronacharya. The saint community is very angry with Rahul Gandhi's statement 'Dronacharya cut Eklavya's thumb'. Saints say that this is an anti-Hindu comment. Kamal Nayandas, the successor of Ayodhya Dham Mani Ramdas Cantonment, called Rahul Gandhi anti-Hindu for his statement. He said, Rahul Gandhi is a fool. Eklavya had respectfully given his thumb to Guru Dronacharya as Guru Dakshina. Rahul Gandhi always talks about treason, treason against religion. He should be given strict punishment. Rahul Gandhi is not only anti-Hindus but also anti-national. He should not be forgiven in any way. He has only one job, he is constantly against Hindus and the nation. Acharya Satyendra Das, the chief priest of Ram Janmabhoomi Ayodhya Dham, said, Rahul Gandhi talks anti-Hindu. He does not know what to say. He is saying that Dronacharya cut Eklavya's thumb. This is wrong, it is a blatant lie. He is the leader of the opposition, he has to pay attention to his language. The kind of statement he has given in the Lok Sabha has insulted Hindus, so he should apologize. He keeps giving statements to insult Hindus again and again. Mahant Raju Das said, the way Rahul Gandhi insulted Sanatan in the Parliament House, the way he conspired to defame Dronacharya and Eklavya. This is sad. Rahul Gandhi does not have knowledge, he will have to read and know about Sanatan. Rahul Gandhi should apologize for his statement. Let us tell you, during the discussion on the Constitution in the Lok Sabha on Saturday, Rahul Gandhi had said, the way Dronacharya had cut off Eklavya's thumb and taken away his skill.

New history of organ transplant for the first time by helicopter in Jaipur

Jaipur: A new history was created in the field of organ donation in Rajasthan when the organs of a brain-dead youth were transported to the transplant center via helicopter. This incident proved to be life-saving for those patients who were waiting for organ transplant for years. Flight of life from Jhalawar to Jaipur and Jodhpur Vishnu (33), a resident of Pipaji in Jhalawar district, was declared brain dead after he sustained serious injuries following a quarrel on December 10. Vishnu's family took a bold step on December 13 and agreed to organ donation. The organs were then transported by a special helicopter to needy patients in Jaipur and Jodhpur. Around 11:30 am on Sunday, a helicopter took off from Jhalawar carrying the organs and landed at Jaipur's SMS Medical College a short time later. The organs were placed in two special boxes, one of which was sent to Jaipur and the other to Jodhpur. Organ transport to Jaipur hospital with the help of green corridor The heart and lungs were immediately airlifted to the SMS Hospital in Jaipur where preparations had already been made for the patient's surgery. After refuelling the helicopter,

the helicopter took off for Jodhpur AIIMS carrying the second box and landed at the sports ground at 12:45 pm. 2 patients got life saving treatment in Jaipur Heart and Lung Transplant: A patient will undergo a heart and lung transplant at SMS Hospital, Jaipur. This operation will last for about 12 hours and will involve a 25-member team of transplant team, anesthesia experts, nursing staff and transplant coordinators. Kidney Transplant: Kidney will be transplanted to another patient at SSB Super Specialist Building, Jaipur. 2 Organ Transplant in Jodhpur

Liver and Kidney Transplant: Liver will be transplanted to one patient and kidney to another patient at Jodhpur AIIMS. Preparations for the surgery had already been done and this operation will also take about 12 hours.

Family's example: 4 people got a new life This decision of Vishnu's family proved to be a lifesaver for 4 needy patients. This incident is not only a milestone for the medical field but also makes the society aware about organ donation.

Opinion of experts- According to doctors of SMS Medical College, the use of helicopters is a revolutionary step to transport organs to the transplant center safely and on time. This improves the success rate of transplants and the recovery of patients. This flight of life from Jhalawar to Jaipur and Jodhpur has shown that the impossible can be made possible with the right decision at the right time. This great step of Vishnu's family will inspire other families to donate organs in the future.

TODAY'S BRIEF

Death sentence to the accused in rape and murder case, court gave verdict in 63 days

Kolkata: A major breakthrough has been achieved in the case of rape and murder of a minor girl in Jaynagar of South 24 Parganas district. The Fast Track Additional District Court of Baruipur has sentenced the main accused of this case, Mustkin Sardar, to death. This decision has come amidst the ongoing RG Kar scandal movement in the state. Demonstrations are being held across the state demanding justice in the RG Kar case, while on the other hand, it took only 63 days to get justice in the Jaynagar case. On October 4, a minor girl went missing while returning home from tuition. Her body was recovered from a reservoir near her house late at night. The police had arrested Mustakin Sardar in this case. After the death sentence was awarded to the culprit in the Jayanagar case, the state police has expressed happiness over this success. According to the police, the speed shown in getting justice in this case is unprecedented. They said that their only aim in this case was to get justice to the victim and her family as soon as possible. Justice in the RG Kar case is getting delayed, while in the Jayanagar case, the culprit was sentenced in just 63 days. This comparison has increased people's faith in the judiciary in the state.

Farmers gave one day's time to the government, Delhi march postponed till 8th

New Delhi: The farmers' attempt to march to Delhi from the Shambhu border has failed once again. Farmer leader Sarwan Singh Pandher has announced to call back the group of farmers after tear gas shells were fired and some farmers were injured. Pandher has accused the government of behaving in an hostile manner with the farmers. Farmer leader Sarwan Singh Pandher said that now a group of 101 farmers will move towards Delhi at 12 noon on Sunday. Pandher said that this decision has been taken after talks with the SP of Haryana Police. He told that he has demanded talks with the central government from the SP and has especially expressed his desire to talk to the Agriculture Minister. The police officer has assured the farmer leaders that their demand will be conveyed to the central government. In view of this, the farmers have given one day's time to the central government. During this time they will also take care of the health of their injured comrades. On Friday, a group of 101 farmers started a march from Shambhu border towards Delhi, but the security personnel stopped them by putting up multi-layered barricading. After this, there was tension between the two sides and the security personnel fired tear gas shells. 5-6 farmers have been injured in this incident. In view of the farmers' agitation, the Haryana government has imposed prohibitory orders under Section 163 in Ambala district and banned any unlawful gathering of five or more people. Apart from this, mobile internet and bulk SMS services have also been suspended in 11 villages of the district till December 9. Farmers are demanding a legal guarantee of minimum support price (MSP) for crops. They are appealing to the central government to seriously consider this issue and accept their demands. The situation at the Shambhu border still remains tense. Farmer leaders and Haryana police officials are negotiating, but no solution has been reached yet. The farmers have observed a one-day ceasefire, but if their demands are not met, they may intensify the agitation again.

Children of Dalit father and non-Dalit mother eligible for Scheduled Caste reservation

New Delhi: In a historic decision, the Supreme Court has annulled the marriage of a Dalit man and a non-Dalit woman. The court has given this decision under Article 142 of the Constitution. With this decision, the court has also made it clear that no person can join the Scheduled Caste through marriage. A bench of Justices Suryakant and Ujjal Bhuiyan said in this case that caste is determined by birth, not by marriage. The court further said that the children of a Dalit father will belong to the Scheduled Caste, even if their mother is a non-Dalit. In this case, the court has given the right to obtain SC caste certificate for their 11-year-old son and six-year-old daughter. The court said that even after the divorce of the parents, the children will have the right to get the benefits of government education and employment under the Scheduled Caste. The father will have to obtain the Scheduled Caste certificate for the children within six months. The court has directed the father to bear all the expenses for the children's education (till post-graduation). Apart from this, the husband will have to pay a lump sum of Rs 42 lakh as lifetime maintenance to the wife and children. The court has also ordered the husband to hand over a plot of land to the wife. The bench also quashed the cross-FIRs filed against each other. The Supreme Court directed the woman to allow the children to meet their father from time to time, take them on vacations and maintain a good relationship between them. Article 142 empowers the Supreme Court to make any order in the interest of justice and fairness. In this case, the Court made a broad intervention under Article 142 to not only resolve the marital dispute but also protect the rights of the children and their future.

NRI woman files case on asinger Raj Jujhar

Jalandhar: An NRI woman filed a case against Punjabi singer Raj Jujhar on Saturday. The Canadian citizen woman made serious allegations against the singer in a press conference. On the complaint of the Canadian woman, the police registered a case against singer Raj Jujhar under sections 376, 406, 420 of the Indian Penal Code. The woman told in a press conference that she met Raj Jujhar in the year 2006 and Jujhar deceived her and swindled lakhs of rupees from her. The woman made even more serious allegations against the Punjabi singer. Raj Jujhar has also been in controversy for making objectionable songs. In the year 2018, he had informed the police about receiving threatening calls from an unknown person.